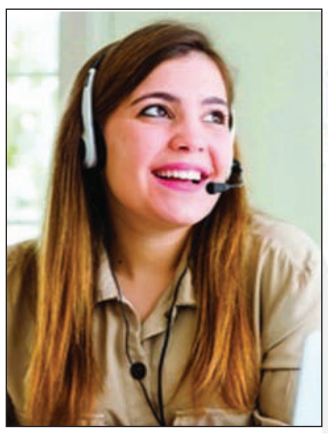

# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां पेज: 7

साथ फिल्म करेंगे टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 69 | बुधवार 10 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## जन गण मन: क्या वाकई मुस्लिमों के मन में जहर घोल रही है मदरसा शिक्षा?

**पश्चिम बंगाल** से लेकर उत्तराखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश तक अब मदरसों की व्यवस्था पर जिस तरह से सख्त निगरानी और कार्रवाई शुरू हुई है, वह देश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और शिक्षा व्यवस्था को बचाने का अभियान बन चुका है। वर्षों तक वोट बैंक की राजनीति के कारण जिन संस्थानों पर सवाल उठाना भी राजनीतिक जोखिम माना जाता था, आज उन्हीं मदरसों की मान्यता, वित्तीय पारदर्शिता, सुरक्षा व्यवस्था और शिक्षा स्तर की जांच हो रही है। यह बदलाव बताता है कि अब सरकारें आंखें मूंदकर नहीं बैठना चाहतीं। पश्चिम बंगाल में नई सरकार ने पूरे राज्य के मदरसों का व्यापक सर्वे शुरू कर दिया है। जिला अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वह हर मदरसे की स्थापना, पंजीकरण, कानूनी स्थिति, शिक्षकों की संख्या, छात्रावास व्यवस्था और पाठ्यक्रम तक की जानकारी जुटाएं।

# पीएम मोदी की एनडीए के सीएम के साथ होगी बैठक, विकसित भारत और वेस्ट एशिया संकट पर अहम चर्चा संभव

**नई दिल्ली एजेंसी:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार, 10 जून को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करने वाले हैं, क्योंकि केंद्र में गठबंधन सरकार के 12 साल पूरे हो रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि बैठक में प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन, विकसित भारत की परिकल्पना पर हुई प्रगति और पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से उत्पन्न चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सहित

कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की उम्मीद है। इस बैठक में केंद्र और एनडीए शासित राज्यों द्वारा चलाई जा रही प्रमुख सरकारी योजनाओं और विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा होने की उम्मीद है। भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि केंद्र और राज्यों द्वारा संयुक्त रूप से चलाई जा रही कई महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं की समीक्षा की जाएगी और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। नेताओं द्वारा पश्चिम एशिया संकट के अर्थव्यवस्था पर प्रभाव और आपूर्ति श्रृंखला संबंधी मुद्दों पर

**इस उच्चस्तरीय बैठक में रक्षा, गृह......**

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 10 जून को एनडीए के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन और विकसित भारत की रणनीति पर मंथन होगा। इस उच्चस्तरीय बैठक में रक्षा, गृह......**

भी चर्चा किए जाने की उम्मीद है। एनडीए शासित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के भाग लेने की उम्मीद है। उपस्थित होने वाले प्रमुख लोगों में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंता बिस्वा सरमा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और पश्चिम बंगाल के सुवेंदु अधिकारी शामिल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पीएम आवास और जन-धन जैसी केंद्रीय योजनाओं ने करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा और स्वरोजगार से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार के तीसरे कार्यकाल के दो साल पूरे होने के मौके पर, शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि गरीब कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण के 12 साल में, सरकार ने अन्न योजना, पीएम आवास, जन-धन, मुद्रा ऋण, पीएम स्वनिधि जैसी कल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों नागरिकों को बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा और स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा है। शाह ने कहा कि बुनियादी सुविधाओं, सामाजिक सुरक्षा और बेहतर जीवन स्तर के जरिए देश के गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़कर विकसित भारत की मजबूत नींव का निर्माण किया जा रहा है।

## इंडिया ब्लॉक बैठक के बाद दिल्ली में ममता बनर्जी की सोनिया गांधी से मुलाकात, क्या हैं सियासी मायने?

**नई दिल्ली एजेंसी:** तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मंगलवार शाम को नई दिल्ली के 10 जनपथ स्थित अपने आवास पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात करेंगी। सूत्रों के अनुसार, यह मुलाकात शाम करीब 4 बजे होने की संभावना है। यह मुलाकात इंडिया ब्लॉक के वरिष्ठ नेताओं द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न राजनीतिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आयोजित बैठक के एक दिन बाद हो रही है। 25 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिए गए इंडिया ब्लॉक की इस महत्वपूर्ण बैठक में सोनिया गांधी और ममता बनर्जी दोनों उपस्थित थीं। दोनों नेताओं को मंच साझा करते और अन्य प्रमुख विपक्षी नेताओं के साथ बैठे देखा गया। तृणमूल कांग्रेस

पार्टी के सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा गया, मुस्कान ने वह कह दिया जो शब्द नहीं कह सकते... राष्ट्र की सेवा में दशकों के समर्पण से मजबूत हुआ बंधन। हमारी माननीय अध्यक्ष आज दिल्ली में सोनिया गांधी जी के साथ। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की टीएमसी हार गई, जिससे मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। इस बीच, इंडिया ब्लॉक की बैठक में राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं, मतदाता सूची संशोधन, बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे ने कहा कि गठबंधन ने नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में शामिल हुए छात्रों को प्रभावित करने वाली कथित अनियमितताओं के मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया है। विपक्षी गठबंधन ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) और कथित चुनावी कदाचार से संबंधित चिंताओं को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का भी संकल्प लिया। इस बैठक में राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती सहित कई प्रमुख विपक्षी नेता शामिल हुए। इंडिया ब्लॉक ने हर दो महीने में नियमित बैठकें आयोजित करने की योजना की भी घोषणा की, अगली बैठक 8 अगस्त को निर्धारित है।

## पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी का 'एक्शन मोड', 30 दिन में बदले नियम, टीएमसी में बड़ी बगावत!

**बंगाल एजेंसी:** पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार के पहले महीने में व्यापक प्रशासनिक और राजनीतिक बदलाव देखने को मिले हैं। अपने पहले 30 दिनों में, राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण वैचारिक और शासन संबंधी उपाय लागू किए, जिनमें स्कूलों में वंदे मातरम को अनिवार्य करना, सड़क किनारे नमाज पर प्रतिबंध लगाना, बीएसएफ को 142 एकड़ भूमि आवंटित करना और टाटा समूह को राज्य में वापस लाने के प्रयासों सहित प्रमुख औद्योगिक निवेशों को बढ़ावा देना शामिल है। यह परिवर्तन तृणमूल कांग्रेस के भीतर महत्वपूर्ण राजनीतिक उथल-पुथल के साथ हुआ है। सत्तारूढ़ पार्टी की वर्षगांठ के अवसर पर, उसे एक बड़े आंतरिक विद्रोह का सामना

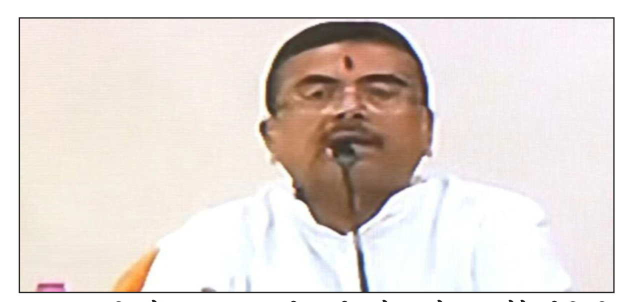

करना पड़ा, जिसमें लगभग 20 बागी टीएमसी सांसदों ने एनडीए के साथ गठबंधन करने की कोशिश की, जिससे पार्टी के भीतर संकट और गहरा गया। पहले महीने के प्रमुख निर्णय और पहल आयुष्मान भारत योजना का शुभारंभ भाजपा सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में पश्चिम बंगाल में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की मंजूरी दे दी, जिससे राज्य केंद्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना से बाहर होने की स्थिति से बाहर हो गया। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने घोषणा की कि यह कार्यक्रम जुलाई में शुरू किया जाएगा, जिसमें राज्य द्वारा संचालित स्वास्थ्य साथी योजना के तहत नामांकित छह करोड़ से अधिक लाभार्थी शामिल होंगे। यह योजना माध्यमिक और तृतीयक चिकित्सा देखभाल के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करती है। सीमा पर बाड़ लगाना और अवैध अप्रवासन पर कार्रवाई सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर सीमा अवसंरचना को तेज करने के लिए कदम उठाए और निर्देश दिया कि बाड़ लगाने के लिए आवश्यक सभी लंबित भूमि हस्तांतरण 45 दिनों के भीतर पूरे किए जाएं। बाड़ लगाने के काम के लिए लगभग 32 एकड़ जमीन पहले ही बीएसएफ को सौंप दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप, प्रशासन ने अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ भी अभियान शुरू किया है। वर्तमान में ग्यारह हिरासत केंद्र कार्यरत हैं, जिनमें से कथित तौर पर 4,800 अवैध प्रवासियों को बांग्लादेश वापस भेज दिया गया है और 836 को हिरासत केंद्रों में रखा गया है।

## नीट विवाद के बीच धर्मेंद्र प्रधान का एनटीए दौरा: छात्रों से बोले- 'पढ़ाई पर ध्यान दें, परीक्षा होगी पारदर्शी

**नई दिल्ली एजेंसी:** केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान एनईटी यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। यह परीक्षा 21 जून को होने वाली है। तैयारियों के तहत, मंत्री के केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात करने की उम्मीद है, ताकि परीक्षा के सुचारू और निर्बाध संचालन के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय का समर्थन प्राप्त किया जा सके। समीक्षा बैठक के बाद, प्रधान ने छात्रों और अभिभावकों को परीक्षा प्रक्रिया के बारे में आश्वस्त किया। मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि मैं छात्रों और उनके अभिभावकों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम पुनर्परीक्षा बिना किसी खामी या खामी के आयोजित करेंगे। उम्मीदवारों से अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए

प्रतिबद्ध है। प्रधान ने कहा कि मैं आप सभी के माध्यम से उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं: कृपया अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। हम पुनर्परीक्षा त्रुटिरहित तरीके से आयोजित करेंगे, और मैं इस मामले में आपका सहयोग चाहता हूं। मंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों का बहुमूल्य शैक्षणिक समय बर्बाद न हो, इसके लिए नीट यूजी पुनर्परीक्षा के परिणाम बिना किसी देरी के घोषित किए जाएंगे। नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होने वाली है। धर्मेंद्र प्रधान ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) त्रुटिरहित परीक्षा आयोजित करने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी टीम पर पूरा भरोसा है।

इस बार, हमारी योजना के अनुसार, परीक्षा देश के 551 शहरों में 5,435 केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिनमें भारत के बाहर 14 केंद्र भी शामिल हैं। सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जा रही हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमने इस जिम्मेदारी को गंभीरता और जवाबदेही के साथ निभाया है, और एनटीए इसे निश्चित रूप से सफलतापूर्वक संपन्न करेगी।

## सीएम विजय का दिल्ली दौरा, नीति आयोग की बैठक में होंगे शामिल, अमित शाह से भी मिलने का कार्यक्रम

**नई दिल्ली एजेंसी:** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय बुधवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली जाएंगे, जिसके दौरान उनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 11 जून को होने वाली नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भाग लेने की उम्मीद है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार, विजय सुबह लगभग 8 बजे एक विशेष चार्टर्ड विमान से चेन्नई से रवाना होंगे। पदभार संभालने के बाद यह उनकी राजधानी की दूसरी यात्रा है। 27 मई को अपनी पिछली यात्रा के दौरान, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी और अगले दिन चेन्नई लौट आए थे। इस बार, नीति आयोग की बैठक में भाग लेने के अलावा, मुख्यमंत्री के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात और चर्चा करने की भी उम्मीद है, जिनसे वे दिल्ली की अपनी पिछली यात्रा के दौरान नहीं मिल पाए थे। सूत्रों ने संकेत दिया है कि इन अतिरिक्त कार्यक्रमों के कारण मुख्यमंत्री का राष्ट्रीय राजधानी में प्रवास तीन दिनों तक यानी 12 जून तक बढ़ सकता है। आधिकारिक बैठकों के बाद, उनके उसी शाम लगभग 6:00 बजे चेन्नई लौटने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली आगामी नीति आयोग शासी परिषद की बैठक में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री भाग लेंगे और सहकारी संघवाद और विकास प्राथमिकताओं के प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू भी 10 जून से शुरू होने वाले दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली जाएंगे

## तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी को घेरा, लालू-राबड़ी का अपमान बर्दाश्त नहीं

**बिहार एजेंसी:** बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को राबड़ी और लालू की सुरक्षा हटाए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि डरपोक ही सुरक्षा लेकर खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम किसी से नहीं डरते। जनता हमारे साथ है। हमारे कार्यकर्ता साहसी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद भी सम्राट चौधरी की सोच में कोई बदलाव नहीं आया है... सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री तो बन गए, लेकिन वो घटिया मंत्री हैं। पिछले सप्ताह शनिवार को बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर उस समय काफी हंगामा हुआ जब आरजेडी के कई नेता सुरक्षा घेरे में खड़े हो गए और दावा किया कि उनकी नेता ने एनडीए सरकार के अपमानजनक व्यवहार के विरोध में अपनी सुरक्षा वापस कर दी है। यह घटनाक्रम राबड़ी देवी द्वारा दो दशकों से कब्जे में लिए जा रहे सरकारी बंगले, 10, सर्कुलर रोड को भाजपा नेता और मंत्री नंद किशोर

राम को आवंटित किए जाने के तुरंत बाद सामने आया है। पूर्व मुख्यमंत्री, जिन्होंने राज्य विधानसभा में विपक्ष की नेता के रूप में उन्हें आवंटित 39, हार्डिंग रोड पर जाने से इनकार कर दिया है, को इस सप्ताह की शुरूआत में सरकार की ओर से एक और झटका लगा जब उनके पूरे परिवार की सुरक्षा कम कर दी गई। आरजेडी के प्रवक्ता और पूर्व विधायक शक्ति सिंह यादव, जो गेट के सामने बैठने वाले पहले पार्टी नेताओं में से एक थे, ने आरोप लगाया कि यह सब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की हमारे नेताओं लालू जी, राबड़ी जी और तेजस्वी जी को अपमानित करने की साजिश है। इन सभी ने अपनी सुरक्षा वापस कर दी है। लेकिन सत्ताधारी दल को इसकी कोई परवाह नहीं है, क्योंकि वह हमारे नेताओं को मरवाना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि अब से आरजेडी कार्यकर्ता अपने नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं लेंगे।

मैं उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार व्यक्ति के रूप में यहां मौजूद हूं। मेरे साथ कई अन्य सहयोगी भी होंगे। आरजेडी नेता आभा लता, जो दिन में बाद में सर्कुलर रोड स्थित 10 नंबर के कार्यालय में पहुंचीं, ने राबड़ी देवी के साथ वीडियो चैट की और उन्हें गेट पर खड़ी भीड़ दिखाई।

# सीएम योगी की चेतावनी: भारत देशद्रोहियों की शरणस्थली नहीं, रावण-मारीच का होगा अंत

**लखनऊ एजेंसी:** अयोध्या में जगद्गुरु रामभद्राचार्य की रामकथा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने हुंकार भरते हुए कहा कि केरल उच्च न्यायालय ने 2009 और 2011 में इस (लव जिहाद) पर चिंता व्यक्त की थी कि यह धार्मिक जनसांख्यिकी को बदलने की साजिश है। हमने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया। हमने 2020 में उत्तर प्रदेश में इस पर एक सख्त कानून बनाया। हमें सतर्क रहना चाहिए। जिस किसी ने भी राम को अपने जीवन का आदर्श बनाया है, उनका कल्याण सुनिश्चित किया गया है। योगी ने साफ तौर पर कहा कि जिस भी व्यक्ति के भीतर 'भारत का डीएनए' है, उसके आदर्श केवल और केवल भगवान राम ही हो सकते हैं। राजनीति और व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर देखें तो हर भारतीय के संस्कारों में राम समाहित हैं। उन्होंने कहा कि जिनकी भारत के प्रति आस्था नहीं है, उन लोगों के लिए भारत की धरती 'धर्मशाला' नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि भारत उन आक्रमणकारियों के लिए शरणस्थली नहीं है जिन्हें भारत में विश्वास नहीं है, जो भारत के प्रति वफादार नहीं हैं और जो भारत के

मूल्यों और परंपराओं का सम्मान नहीं कर सकते। ऐसे लोगों के लिए भारत की भूमि आश्रय नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि मारीच और रावण, उच्च कुल और श्रेष्ठ व्यवस्था में जन्म लेते हैं, लेकिन पशुवत मारे जाते

**सीएम योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में रामकथा के मंच से लव जिहाद पर सख्त रुख दोहराया, इसे धार्मिक जनसांख्यिकी बदलने की साजिश बताया और 2020 में उत्तर प्रदेश में कानून बनाने का जिक्र किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत उन लोगों के लिए धर्मशाला नहीं है जिनकी भारत के प्रति आस्था, निष्ठा या सम्मान नहीं है**

हैं, क्योंकि प्रभु श्री राम के साथ द्रोह करते हैं। उन्होंने कहा कि रावण ने माता जानकी का अपहरण कर लिया था, और भगवान श्री राम ने उन्हें छुड़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया। उन्होंने उत्तर और दक्षिण भारत को एकजुट किया। यह महिलाओं की गरिमा की रक्षा का एक उदाहरण है। यह 'लव जिहाद' जैसी घटनाओं को रोकने के लिए एक आदर्श उदाहरण के रूप में काम कर सकता है और इसे सबके सामने प्रस्तुत किया जा सकता है। वहीं, एक्स पर योगी ने लिखा कि लखनऊ में आयोजित 9 दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव के समापन कार्यक्रम में आज पूज्य संत, पद्म विभूषण जगद्गुरु तुलसीपीठाधीश्वर रामानंदाचार्य स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज के श्रीमुख से पावन श्री राम कथा के श्रवण का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मध्यकाल में गोस्वामी तुलसीदास जी ने जिस प्रकार जनचेतना का जागरण किया था, उसी परंपरा को आज स्वामी श्री रामभद्राचार्य जी महाराज आगे बढ़ा रहे हैं। पूज्य महाराज जी का हार्दिक अभिनंदन।

# संपादकीय

## पहले आम को राहत

आज वैश्विक आर्थिक परिदृश्य तेजी से अनिश्चितता के भंवर में फंसता नजर आ रहा है। अमेरिका-इस्राइल व ईरान के बीच जारी संघर्ष से उपजा भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि, बाधित व्यापार मार्ग से प्रभावित आपूर्ति श्रृंखला भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये नई चुनौतियां खड़ी कर रही है। ऐसे में देश के लिये प्राथमिकता केवल विकास की गति बनाये रखना ही नहीं होनी चाहिए। सरकार का दायित्व है कि आम लोगों को महंगाई की मार से बचाने के लिये व्यावहारिक कदम भी उठाये। दरअसल, भारत के सामने केवल मध्यपूर्व में जारी संघर्ष से उपजा संकट ही नहीं है, बल्कि अंदरूनी मोर्चे पर भी कई तरह की दिक्कतें पैदा हो रही हैं। हाल ही में केंद्रीय बैंक ने देश में मानसून में कमी की आशंका जतायी है। ऐसा अल-नीनो के प्रभाव के चलते पैदा होने वाले विषम हालातों के चलते कहा गया है। जिसके चलते आगामी कुछ माह में खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। ऐसे में महंगाई में कमी आने की सूरत नजर नहीं आती। देश के कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि फिलहाल सरकार की प्राथमिकता आर्थिक विकास में वृद्धि ही है। जिसके चलते आशंका जतायी जा रही है कि इससे नागरिकों पर महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। निस्संदेह, अर्थव्यवस्था में सुधार होना चाहिए, लेकिन वक्त की नजाकत को देखते हुए आम आदमी को महंगाई से राहत देना बेहद जरूरी है। अन्यथा आम लोगों का जीवन-यापन और अधिक कष्टकारी भी हो सकता है। यही वजह है कि कुछ अर्थशास्त्री मानते हैं कि सरकार आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं व महंगाई नियंत्रण के प्रयासों के बीच संतुलन साधने का प्रयास करे। लेकिन पिछले दिनों पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में कई बार की वृद्धि के बाद व्यावसायिक व घरेलू एलपीजी के दामों का बढ़ना, लोगों की चिंता बढ़ाने वाला है। जाहिर बात है कि इस वृद्धि से पहले ही महंगाई से जूझते लोगों का बजट और गड़बड़ा जाएगा।

निस्संदेह, पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत में वृद्धि के बाद कुकिंग गैस के दामों की वृद्धि आम आदमी का बजट बिगाड़ने वाली है। फलतः लोगों की क्रय शक्ति कम हो रही है। वहीं आर्थिकी में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ने की आशंका है। इस उथल-पुथल भरे वैश्विक परिदृश्य में कुछ कारक देश की अर्थव्यवस्था को संबल देने वाले भी हैं। देश में घरेलू मांग मजबूत है, संरचनात्मक विकास में निवेश जारी है। वहीं तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था हमारी ताकत भी है। जिससे हम एक सीमा तक वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला कर सकते हैं। लेकिन एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें हमारे आयात बिलों पर दबाव बढ़ा रही हैं। जिसका प्रभाव रुपये पर भी बढ़ते दबाव के रूप में सामने आया है। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों को लुभाने के लिये केंद्रीय बैंक प्रयासरत है, लेकिन बाजार के पटरी पर आने में कुछ वक्त अवश्य लगेगा। आरबीआई का विश्वास है कि निवेश नियमों में ढील से पूंजी के प्रवाह को प्रोत्साहन मिलेगा। केंद्रीय बैंक की प्राथमिकताओं में आर्थिक स्थिरता कायम करना, रुपये को संबल देना और देश की वित्तीय प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाये रखना भी है। बैंक की कोशिश है कि विकास को प्रभावित किए बिना ही आर्थिक स्थिरता लाने का प्रयास हो। निस्संदेह, नीति-नियंताओं के सामने आर्थिक विकास को गति देने के साथ मुद्रास्फीति को नियंत्रित करना भी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिये दोनों में संतुलन बनाने की जरूरत है। हम विकास और रोजगार को संरक्षण देते हुए महंगाई को नियंत्रित करने का प्रयास करें। जिसके लिये राजकोषीय विवेक, कमजोर वर्ग के लोगों को संबल तथा संरचनात्मक सुधार प्राथमिकता हों।

### चिंतन-मनन

## सच्चे साधु की पहचान

महात्मा बुद्ध ने अपने शिष्यों को दीक्षा देने के बाद कहा,तुम जहां भी जाओगे, वहां तुम्हें अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के लोग मिलेंगे। अच्छे लोग तुम्हारी बातें सुनेंगे और सहायता करेंगे। बुरे लोग तुम्हारी निंदा करेंगे और गालियां देंगे। तब तुम्हें कैसा लगेगा? एक गुणी शिष्य ने कहा,मैं किसी को बुरा नहीं समझता। कोई मेरी निंदा करेगा या मुझे गालियां देगा तो मैं समझूंगा कि वह भला व्यक्ति है क्योंकि उसने मुझे सिर्फ गालियां ही दीं, मुझ पर धूल तो नहीं फेंकी। बुद्ध ने पूछा,और यदि कोई तुम पर धूल फेंक दे तो? मैं उसे भला ही कहूंगा क्योंकि उसने धूल ही तो फेंकी, थप्पड़ तो नहीं मारा। और यदि कोई थप्पड़ मार दे तो क्या करोगे?मैं उन्हें बुरा नहीं कहूंगा क्योंकि उन्होंने मुझे थप्पड़ ही मारा, डंडा तो नहीं मारा। और कोई डंडा मार दे तो? मैं उसे धन्यवाद दूंगा क्योंकि उसने मुझे केवल डंडे से ही मारा, हथियार से नहीं।लेकिन मार्ग में तुम्हें डाकू भी मिल सकते हैं जो तुम पर घातक हथियार से प्रहार कर सकते हैं।

तो क्या? मैं तो उन्हें दयालु ही समझूंगा, क्योंकि वे मारते ही हैं, मार नहीं डालते और यदि वे तुम्हें मार ही डालें तो? शिष्य बोला,इस जीवन और संसार में केवल दुख ही है। जितना अधिक जीवित रहूंगा उतना दुख देखना पड़ेगा। जीवन से मुक्ति के लिए आत्महत्या करना तो महापाप है। शिष्य के वचन सुनकर बुद्ध बोले-तुम धन्य हो। वास्तव में तुम सच्चे साधु हो। सच्चा साधु किसी भी दशा में दूसरे को बुरा नहीं समझता। जो दूसरों में बुराई नहीं देखता, वही सच्चा परिव्राजक होने के योग्य है। मुझे विश्वास है तुम सदैव धर्म के मार्ग पर चलोगे।


**आवश्यकता है**

**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**


## भतीजे अभिषेक के मोह में ममता दीदी की पार्टी बिखर गयी

मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि अति सर्वत्र वर्जिते यानि इंसान का अपने ज्ञान और ताकत पर अधिक घमंड पतन का कारण बन जाता है ममता बनर्जी के साथ भी यही हुआ है दीदी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को वनमैन शो बतौर माना और अपने साथियों को फोलौवर समझा यही उनके खिलाफ असंतोष का कारण बन गया दीदी अपने पार्टी के कुनवे को ही संभाल कर नही रख सकी सत्ता से बाहर होते ही उनके खास सिपहसलार ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं दरअसल भतीजे अभिषेक बनर्जी का मोह और अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने की चाहत इस असंतोष के पीछे की खास वजह बन गई। आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।ताजा घटनाक्रम में तृणमूल कांग्रेस में एक बड़ा राजनीतिक संकट सामने आया है। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर दी है और एनडीए के साथ गठबंधन करने की इच्छा व्यक्त की है।इस विभाजन और दलबदल से जुड़ी जानकारी के अनुसार बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र भेजकर संसद में अलग बैठने और मान्यता देने की मांग की है। इस पूरे घटनाक्रम में टीएमसी सांसद काकुली घोष, सुवेंदु अधिकारी और अन्य नेताओं का नाम सामने आ रहा है। आपको पता रहे कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है। राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। आपको बता दें सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। ममता बनर्जी को अपने ही गढ़ भवानीपुर सीट से भाजपा के सुवेंदु अधिकारी के हाथों 15,105 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। राज्य में 15 साल पुराने टीएमसी शासन का अंत हो गया है और सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नई सरकार का गठन हो चुका है। ममता बनर्जी इन सभी विपरीत हालातों के खिलाफ सड़कों से लेकर हाइकोर्ट तक कानूनी और राजनीतिक लड़ाई लड़ रही हैं। आपको पता है कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के परिणाम एक माह पूर्व 4 मई को सामने आए थे। इनमें ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को निराशा का मुंह देखना पड़ा था। 294 सीटों वाली इस विधानसभा में उसे 80 सीटें ही मिली थीं। इस तरह 15 वर्ष तक प्रदेश की मुख्यमंत्री रहीं ममता का शासन खत्म हो गया था। ममता ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत कांग्रेस से की थी। लम्बी अवधि तक वह इसके साथ जुड़ी रहीं, परन्तु 28 वर्ष पूर्व 1998 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) का गठन किया था और कम्युनिस्ट पार्टियों के तीन दशकों से भी अधिक प्रदेश में चले आ रहे लम्बे शासन को खत्म करने के लिए बड़ी दिलेरी और दृढ़ता से उसका मुकाबला किया था। इस समय लोकसभा में इनके 28 और राज्यसभा में 13 सांसद हैं, परन्तु विगत लम्बी अवधि से इस पार्टी के भीतर ममता की तानाशाही और टकराव वाली नीतियों के कारण असंतोष और असहमति चल रही थी, परन्तु उनकी प्रशासन पर सख्त पकड़ और कठोर फैसलों से यह बगावत अंदर-अंदर ही सुलगती रही थी। ममता ने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को अपने साथ राजनीति में लाकर उसे अधिक शक्तियां दे दी थीं। बनर्जी के काम करने के ढंग-तरीके से भी पार्टी गलियारों में असंतोष था, जिसके संबंध में ममता को लगातार उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा अवगत करवाया जाता रहा था परन्तु ममता ने इस बात की ओर ध्यान नहीं दिया। अपनी ताकत के दम पर उन्होंने बड़ी राष्ट्रीय नेता होने का भ्रम भी पाल लिया था, जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर दर्जनों ही पार्टियों द्वारा बनाए गए इंडिया गठबंधन की वह सदस्य जरूर बनी रही थीं, परन्तु इसमें शामिल अलग-अलग पार्टियों के सभी नेताओं से ऊंचा कद होने का भ्रम उन्होंने पाल रखा था। इसलिए विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने अपनी किसी भी सहयोगी पार्टी के साथ गठबंधन करने से इन्कार कर दिया था। उनके शासन के समय प्रदेश की आर्थिकता भी बेहद कमजोर हो गई थी और यह पूरी तरह कर्ज में डूब चुका था। केन्द्र के साथ लगातार टकराव रहने के कारण और उद्योग को समर्थन न मिलने के कारण प्रदेश की आर्थिकता डावांडोल हो गई थी। इसके साथ ही बेरोजगारी की दर भी बढ़ चुकी थी, परन्तु पिछला पूरा समय केन्द्र और अन्य पार्टियों के साथ टकराव बने रहने के कारण भी उनकी प्रशासनिक तौर पर पकड़ ढीली पड़ चुकी थी। ऐसी स्थिति लोगों के भीतर निराशा में बदलती गई। लगातार सरकार विरोधी भावनाओं के बढ़ने का अनुमान लगाने में वह असमर्थ रहीं और न ही वह दीवार पर लिखे को पढ़ सकीं, जिस कारण उन्हें चुनाव में निराशा का मुंह देखना पड़ा। हार के बाद भी उन्होंने खुले मन से आत्म-मंथन करने की बजाए अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को अनदेखा किए रखा जो अंत में उनके लिए हानिकारक सिद्ध हुई। आंतरिक यह चिंगारी उस समय लपटें बन गई, जब उन्होंने ज्यादातर पार्टी नेताओं को अनदेखा करके अभिषेक बनर्जी के कहने पर विधानसभा में विपक्ष के नेता के लिए सैमन देव का नाम स्पीकर को भेज दिया, परन्तु ज्यादातर विधायक इस पद के लिए रिताव्रता बनर्जी के पक्ष में थे, परन्तु ममता ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया और इस पद के लिए स्पीकर को विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेज दिया, जिस कारण ज्यादातर नेताओं ने बगावत का मार्ग अपना लिया।

## नेत्रदानः अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

ललित गर्ग

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती।

नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है। सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है।

नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' तथा 'लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1' ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान 'साइट फर्स्ट' दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक कार्यक्रम माना जाता है। इस अभियान के माध्यम से लाखों लोगों को नेत्र चिकित्सा सेवाएं, मोतियाबिंद ऑपरेशन, दृष्टि परीक्षण तथा नेत्रदान के प्रति जागरूकता प्रदान की गई है। 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' भी इसी भावना के साथ निरंतर समाज में यह संदेश प्रसारित कर रहा है कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके हम किसी अंधेरी जिंदगी में स्थायी उजाला भर सकते हैं। यह सेवा केवल सामाजिक कार्य नहीं, बल्कि करुणा, संवेदना और मानवता का जीवंत उदाहरण है।

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं, तो इससे बड़ा पुण्य, इससे बड़ी सेवा और इससे बड़ी मानवता की साधना शायद कोई नहीं हो सकती। आइए, हम संकल्प लें कि जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी हमारी आंखें किसी और के सपनों को देखने का माध्यम बनें। हमारा नेत्रदान किसी अंधेरी जिंदगी में सूर्योदय बनकर उभरे, यही ह्यविश्व नेत्रदान दिवसह्न की सार्थकता है, यही सच्चा धर्म है और यही मानवता का उज्ज्वल भविष्य है।

## विपक्ष की नई हुंकार ,आईएनडीआईए गठबंधन सरकार को घेरने की तैयारी में सफल होगा?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सत्ता और विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक व्यवस्था के दो मजबूत स्तंभ माने जाते हैं। सत्ता जहां नीतियों और योजनाओं के माध्यम से देश को दिशा देने का प्रयास करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा कर जनता की आवाज को बुलंद करने का दायित्व निभाता है।इसी परिप्रेक्ष्य में नई दिल्ली में आयोजित आई एन डी आई ए गठबंधन की हालिया बैठक राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बैठक में विपक्षी दलों ने न केवल अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया, बल्कि आने वाले समय के लिए एक साझा राजनीतिक एजेंडा भी तय किया।लोकसभा चुनाव2024 के बाद से आईएनडीआईए गठबंधन कई उतार-चढ़ावों से गुजरा है।कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना था कि चुनाव के बाद गठबंधन की सक्रियता कम हो जाएगी, किंतु हालिया बैठक ने यह संदेश दिया है कि विपक्ष अभी भी राष्ट्रीय राजनीति में अपनी भूमिका को लेकर गंभीर है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने देश की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के बाद घोषित पांच बिंदुओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि विपक्ष आने वाले संसद सत्र और राजनीतिक अभियानों में किन मुद्दों को प्रमुखता से उठाने वाला है। सबसे प्रमुख मांग केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की रही। विपक्ष का आरोप है कि विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने करोड़ों विद्यार्थियों और उनके परिवारों की चिंताओं को बढ़ाया है। शिक्षा केवल एक मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि देश के भविष्य का प्रश्न है। जब युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस करते हैं, तब यह केवल एक प्रशासनिक चुनौती नहीं रह जाती, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन जाती है।

बैठक में बेरोजगारी का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यह युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी है, किंतु

रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध न होने की शिकायत लगातार उठती रही है। सरकारी आंकड़े विकास की कहानी कहते हैं तो दूसरी ओर अनेक युवाओं की बेचैनी यह संकेत देती है कि रोजगार सृजन को लेकर अभी भी व्यापक प्रयासों की आवश्यकता है। विपक्ष ने इसी प्रश्न को अपने राजनीतिक अभियान का महत्वपूर्ण आधार बनाने का निर्णय लिया है।

महंगाई भी उन मुद्दों में शामिल रही जो आम नागरिक के दैनिक जीवन को सीधे प्रभावित करते हैं। रसोई गैस, खाद्य पदार्थों, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विपक्ष का मानना है कि इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा और ठोस समाधान की आवश्यकता है। यही कारण है कि उसने केंद्र सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है ताकि इन विषयों पर व्यापक सहमति और समाधान का रास्ता निकाला जा सके।

किसानों के प्रश्न भी बैठक के केंद्र में रहे। भारत की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र में तकनीकी प्रगति और सरकारी योजनाओं के बावजूद किसानों की आय, लागत और बाजार से जुड़े प्रश्न समय-समय पर सामने आते रहे हैं।विपक्ष ने किसानों की समस्याओं को राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बनाने का संकल्प व्यक्त किया है।

बैठक का एक महत्वपूर्ण पहलू चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर भी रहा। विपक्षी दलों ने चुनावी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता के प्रश्नों को उठाने का निर्णय लिया है। लोकतंत्र में चुनावों की विश्वसनीयता सर्वोच्च महत्व रखती है और यही कारण है कि इस विषय पर राजनीतिक दलों की संवेदनशीलता स्वाभाविक है।

राजनीतिक दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह रहा किआईएनडीआईए गठबंधन अब नियमित अंतराल पर बैठकें करेगा। हर दो महीने में बैठक आयोजित करने और अगली बैठक हैदराबाद में 8 अगस्त को करने का निर्णय इस बात का संकेत है कि विपक्ष अपनी गतिविधियों को संस्थागत स्वरूप देना चाहता है। यह केवल एक राजनीतिक बैठक नहीं, बल्कि विपक्षी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा भी है।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी गठबंधन की सफलता केवल बैठकों और प्रस्तावों से सुनिश्चित नहीं होती। जनता अंततः परिणामों, विश्वसनीयता और वैकल्पिक दृष्टिकोण को महत्व देती है। विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह केवल सरकार की आलोचना तक सीमित न रहे, बल्कि देश के सामने विकास, रोजगार, शिक्षा, कृषि और आर्थिक प्रगति का एक स्पष्ट वैकल्पिक खाका भी प्रस्तुत करे।

दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, अवसंरचना विकास अभूतपूर्व गति से हो रहा है और करोड़ों लोगों तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। ऐसे में आगामी महीनों में सत्ता और विपक्ष के बीच राजनीतिक बहस और अधिक तीखी होने की संभावना है।

नई दिल्ली में हुई आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल विपक्षी दलों का जमावड़ा नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक संघर्षों की रूपरेखा भी है। शिक्षा, बेरोजगारी, महंगाई, किसान और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़े प्रश्नों को केंद्र में रखकर विपक्ष ने अपनी दिशा तय कर दी है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या यह साझा एजेंडा जनता के बीच व्यापक समर्थन प्राप्त कर पाता है या नहीं।

लोकतंत्र में सशक्त सरकार जितनी आवश्यक है, उतना ही आवश्यक एक सक्रिय और उत्तरदायी विपक्ष भी है। आईएनडीआईए गठबंधन की यह बैठक इसी लोकतांत्रिक परंपरा को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है, जिसके प्रभाव आने वाले महीनों में राष्ट्रीय राजनीति में स्पष्ट रूप से दिखाई दे सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

# आतिशबाजी गोदाम व दुकान के लिए अनापत्ति पर आपत्ति आमंत्रित

### 07 जुलाई तक साक्ष्य सहित दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** गाटा संख्या 244 (पार्ट) ग्राम गारवपुर उर्फ रूस्तमपुर, थाना आदमपुर, तहसील हसनपुर में आतिशबाजी के भंडारण और विक्रय के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी किया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में जिला प्रशासन ने आम जनता से आपत्ति मांगी है। मैसर्स श्रीधर ट्रेडलिंक कम्पनी, प्रोपराइटर आशीष बंसल पुत्र अनिल कुमार बंसल निवासी 22/ए निकट घन्टाघर, पूर्वा दुलीचन्द, नसरतपुरा घन्टाघर, गाजियाबाद ने उक्त स्थल पर आतिशबाजी का कारोबार शुरू करने के लिए आवेदन किया है।कम्पनी ने 5,000 किग्रा क्षमता के दो अलग-अलग गोदाम और 1,500 किग्रा क्षमता की दो अलग-अलग दुकानों की स्वीकृति मांगी है। इसके लिए संयुक्त मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक, मध्यांचल आगरा के यहाँ आवेदन किया गया है। नियम 102 एवं 103 के तहत अनापत्ति निर्गत की जानी है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त स्थल पर गोदाम व दुकान खोले जाने पर कोई आपत्ति या आक्षेप है तो वह अपने साक्ष्यों के साथ 07 जुलाई 2026 तक संबंधित कार्यालय में आपत्ति दर्ज करा सकता है।

# ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार को क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा के नेतृत्व में बूंदी प्रसाद व शरबत का किया गया वितरण

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद की गजरौला नगर स्थित इंदिरा चौक साईं मंदिर पर ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा के नेतृत्व में बूंदी प्रसाद एवं शरबत का वितरण कार्यक्रम आयोजित कराया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों एवं राह चलते राहगीरों ने भीषण गर्मी में गर्मी से राहत पाने के लिए हजारों की संख्या पंडाल पर जाकर शीतल शरबत का सेवन किया और बूंदी का प्रसाद ग्रहण किया जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।इस दौरान वहां उपस्थित लोगों ने क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा को लोकप्रिय विधायक बताते हुए प्रशंसा की।

बता दें कि इसके बारे में जानकारी देते हुए क्षेत्रीय विधायक राजीव तरारा ने बताया कि आज ज्येष्ठ माह का बड़ा मंगलवार का पर्व है जो सेवा, श्रद्धा और जनकल्याण का संदेश देता है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से समाज में भाईचारा और आपसी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है।विधायक तरारा ने देश व प्रदेश में चल रही सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर कार्य कर रही है।कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकताओं, क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। उपस्थित लोगों ने विधायक राजीव तरारा द्वारा किए गए इस जनसेवा कार्य की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

# मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में भाकियू (असली) की मासिक बैठक का आयोजन,किसान समस्याओं से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में मंगलवार को भारतीय किसान यूनियन असली की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया जिसमें उन्होंने किसान समस्याओं से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा करते हुए विचार विमर्श किया साथ ही उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि गन्ना भुगतान समय पर नहीं किया गया तो तहसील मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू किया जाएगा। संगठन ने प्रशासन को 15 जून तक किसानों का बकाया भुगतान करने की चेतावनी दी है।

बता दें कि मंगलवार को आयोजित इस पंचायत में किसानों ने कहा कि पंचायत में गन्ना भुगतान के मुद्दे पर गन्ना समिति सचिव ने किसानों को 12 जून, 2026 तक 10 करोड़ रुपये की धनराशि खातों में भेजने का आश्वासन दिया। हालांकि, भाकियू (असली) के मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए संपूर्ण गन्ना भुगतान की मांग की।बैठक में गन्ना वैरायटी 13235 को लेकर भी चर्चा हुई, लेकिन इस पर कोई सहमति नहीं बन पाई। इस दौरान गन्ना विकास परिषद के ज्येष्ठ गन्ना निरीक्षक, गन्ना समिति सचिव और चीनी मिल प्रतिनिधि प्रमोद व भीमवीर सिंह मौजूद रहे। तय किया गया कि इस विषय पर आगामी 11 जून, 2026 को एसडीएम धनौरा की अध्यक्षता में जिला गन्ना अधिकारी की मौजूदगी में पुनः वार्ता की जाएगी।किसानों ने गन्ना विभाग अमरोहा पर आरोप लगाया कि विभाग द्वारा अगेती (जल्दी तैयार होने वाली) गन्ना प्रजाति को सामान्य प्रजाति में बदल दिया जाता है, जिससे किसानों को भारी नुकसान होता है। भाकियू (असली) ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा अगेती प्रजाति को सामान्य श्रेणी में डाला गया, तो संगठन गन्ना विकास परिषद का नाम बदलकर उसके कार्यालय पर ह्यगन्ना विनाश परिषदह्व लिखेगा।पंचायत में आवारा पशुओं पर तुरंत नियंत्रण करने की मांग भी उठाई गई। इस मासिक पंचायत की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह ने की और संचालन तहसील अध्यक्ष जगदीश सिंह यादव द्वारा किया गया। इस मौके पर नरेश कुमार, जसवीर सोनू गिल, गजेंद्र सिंह, विनीत कुमार, धर्मेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, सुरेंद्र सिंह, लोकेंद्र सिंह, प्रमोद सिंह, नन्हें सिद्धू, देशराज सिंह, कावेंद्र सिंह, रमेश सिंह, सुनील कुमार, शाकिर सैफी, अनवर अली सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

# डीएम एवं एसपी ने पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा केन्द्रों का किया गहन निरीक्षण

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने आयोजित उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा को पूर्णतः शुचितापूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए दूसरे दिन जनपद के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने एकेके इंटर कॉलेज, भगवत सरन इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, आई.एम. इंटर कॉलेज, जे.एस.एच. इंटर कॉलेज, जे.एस. हिंदू पीजी कॉलेज अमरोहा ब्लॉक-ए, जे.एस. हिंदू पीजी कॉलेज अमरोहा ब्लॉक-बी एवं सिख इंटर कॉलेज के परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य प्रबंधों का जायजा लिया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक द्वारा निरंतर परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश द्वारों पर अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, कंट्रोल रूम से सतत निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा कक्षों की निगरानी तथा परीक्षा केन्द्रों के आसपास कानून एवं शांति व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। साथ ही परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, नकल अथवा व्यवधान उत्पन्न करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए। डीएम-एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्र के अंदर किसी भी प्रतिबंधित सामग्री को किसी भी हालत में प्रवेश नहीं करने दिया जाए। संदिग्ध व्यक्तियों की विशेष रूप से सघन चेकिंग की जाए। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केन्द्रों एवं उनके आसपास सतर्क दृष्टि बनाए रखें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को सुदृढ बनाये रखें तथा सम्बन्धित को परीक्षा केन्द्रों के प्रवेश द्वारों पर सघन चेकिंग एवं फ्रिस्किंग एवं प्रत्येक अभ्यर्थी की निर्धारित मानकों के अनुरूप जांच के उपरांत ही प्रवेश देने के निर्देश दिये जाए। द्वितीय दिवस की दोनों पालियों की भी परीक्षा सकुशल एवं शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुई।

निरीक्षण के दौरान सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक एवं कक्ष निरीक्षक उपस्थित रहे।

# कृषि योग्य भूमि को प्रॉपर्टी डीलर बना रहे बंजर

### शहरों में कार्रवाई के बाद अब गांवों को बना रहे निशाना

**अमरोहा (सब का सपना):-** शहरों में अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर की कार्रवाई के बाद अब प्रॉपर्टी डीलरों ने गांवों की ओर रुख कर लिया है। उझारी, ढ़वारसी, आदमपुर, रहरा समेत दर्जनों गांवों में उपजाऊ जमीन को बंजर कर अवैध प्लाटिंग का खेल चल रहा है। जानकारी के मुताबिक प्रॉपर्टी डीलर किसानों को मार्केट रेट से ऊंचे दाम का लालच देकर जमीन खरीद लेते हैं। कुछ डीलर किसानों से मामूली रकम देकर एग्रीमेंट करा लेते हैं और फिर बिना भू-उपयोग बदले प्लाटिंग शुरू कर देते हैं। इससे कृषि योग्य भूमि बंजर होती जा रही है। ये डीलर गांव की भोली-भाली जनता को सस्ते प्लाट का झांसा देकर अपना निशाना बना रहे हैं। बिना नक्शा पास कराए, बिना विकास शुल्क जमा किए नियमविरुद्ध कॉलोनियां काटी जा रही हैं। खरीददार बाद में कानूनी पचड़ों में फंस जाते हैं। सूत्रों का कहना है कि ऐसे प्रॉपर्टी डीलरों के सिर पर सफेदपोशों का भी हाथ है। इसी वजह से शहरों में कार्रवाई के बाद भी इनके हौसले बुलंद हैं। अब इन्होंने उझारी, ढ़वारसी, आदमपुर, रहरा जैसे गांवों को निशाना बनाया है। लगातार कृषि भूमि पर प्लाटिंग से आने वाले समय में खाद्य सुरक्षा पर संकट खड़ा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांवों में हो रही अवैध प्लाटिंग पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।

# गौशालाओं के बाद भी सड़कों पर आवारा पशु, किसान परेशान

### हसनपुर क्षेत्र में फसल बबार्दी और हादसों का कारण बन रहे छुट्टा पशु

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद में गौशालाओं की भरमार होने के बावजूद आवारा पशुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। तहसील हसनपुर क्षेत्र के गांवों में छुट्टा पशुओं की भरमार से किसान बेहाल हैं। प्रशासन की अनदेखी के चलते न तो फसल बच रही है और न ही सड़कों पर हादसे रुक रहे हैं। क्षेत्र के किसान दिन रात जागकर फसलों की रखवाली करने को मजबूर हैं। आवारा पशुओं के झुंड खेतों में घुसकर गन्ना, बाजरा, मक्का और सब्जियों की फसल को मिनटों में चट कर रहे हैं। कड़ी मेहनत और भारी लागत के बाद भी किसान

अपनी फसल नहीं बचा पा रहे। कई किसान कर्ज के बोझ तले दब गए हैं। गांव की गलियों से लेकर नेशनल हाईवे तक आवारा पशु झुंड में बैठे रहते हैं। रात के समय अचानक इन आवारा पशुओं के सड़क पर आने से बाइक और कार सवार हादसे का शिकार हो रहे हैं। आवारा पशुओं की वजह से हर दिन हादसे हो रहे हैं और लोगों की जान जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि गोचर की भूमियों पर अवैध कब्जे हो गए हैं। चारे-पानी की व्यवस्था न होने से पशु सड़कों पर भटक रहे हैं।

जनपद भर में अलग-अलग गौशाला होने के बावजूद भी आवारा पशु सड़कों पर दिखाई देते हैं। मानो देखकर ऐसा लगता है कि गौशालाएं सिर्फ कागजों में चल रही हैं? लगातार शिकायतों और मौतों के बाद भी प्रशासन छुट्टा पशुओं को पकड़ने का अभियान नहीं चला रहा। प्रशासन के इस रवैये से किसानों और आम लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

# अमरोहा के निशानेबाजों ने नोएडा में किया जिले का नाम रोशन,जिले के युवा निशानेबाजों ने जीते पदक

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** नोएडा में आयोजित 30वीं प्री-उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता (एयर इवेंट्स) 2026 में ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल, गजरौला एवं जे.वी. इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 4 से 7 जून 2026 तक नोएडा में आयोजित की गई थी। बता दें कि कोच अनुज चौधरी के कुशल मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट निशानेबाजी का प्रदर्शन करते हुए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं।प्रतियोगिता में दक्ष चौधरी, शरद कुमार गोला एवं निशांत चौधरी ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय और जिले का गौरव बढ़ाया।इसके साथ ही प्रीत देओल, वंश चौहान एवं गांधर्व तरार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आगामी उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन, अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों और कोच अनुज चौधरी को बधाई दी है। खिलाड़ियों की इस सफलता से जिले में शूटिंग खेल को नई पहचान मिली है तथा अन्य युवा खिलाड़ियों को भी प्रेरणा मिलेगी।

कोच अनुज चौधरी ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का ही परिणाम है कि वे राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी प्रतियोगिताओं में भी ये खिलाड़ी और बेहतर प्रदर्शन कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

# धनौरा क्षेत्र में लकड़ी से लदी ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार मां बेटे को मारी टक्कर,मां की मौत,बेटा गंभीर घायल

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में सोमवार को बाइक सवार एक मां और बेटे को लकड़ी से लदी ट्रैक्टर ट्राली ने टक्कर मार दी जिसमें मां की मौत हो गई जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बेटे को तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है बताया जा रहा है कि दोनों मां और बेटा बाइक से दवाई लेकर लौट रहे थे। बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंडी धनौरा के मोहल्ला शिवपुरी निवासी अरविंद अपनी 50 वर्षीय मां संतोष देवी को दवाई दिलाने के लिए सोमवार को नूरपुर (जिला बिजनौर) गए थे। दोपहर करीब चार बजे, दवाई लेकर वापस लौटते समय रतनगढ़ गांव से धनौरा की ओर आ रही एक लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि मां-बेटे दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते ही परिजन और रिश्तेदार मौके पर पहुंचे। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें इलाज के लिए मुरादाबाद अस्पताल ले जाया जा रहा था। हालांकि, अस्पताल पहुंचने से पहले ही संतोष देवी ने दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल अरविंद को मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।परिजनों ने बताया कि मृतका संतोष देवी के पति हरि सिंह प्रजापति का निधन करीब सवा साल पहले ही हो गया था। उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें एक लड़की और दो लड़के शामिल हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्ला शिवपुरी में शोक की लहर दौड़ गई। मृतका के घर के बाहर भारी संख्या में लोग जमा हो गए।

# केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अमरोहा में 21 जून तक चलेगा सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान अभियान

**अमरोहा (सब का सपना):-** केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 05 जून संचालित अभियान 21 जून 2026 तक जनपद में सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान नामक जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान सादगी, अनुशासन, ईमानदारी, बचत, पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाएगी। 08 जून 2026 से 14 जून 2026 तक जिले में विशेष जन-संपर्क एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी आम जनमानस तक पहुंचाई जा रही है। अभियान में माननीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति भी रहेगी। अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए धनौरा, हसनपुर, अमरोहा और नौगावा सादात तहसीलों में अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। इन टीमों में उपनिदेशक कृषि, जिला समाज कल्याण अधिकारी, नायब तहसीलदार, खंड शिक्षा अधिकारी, विकास खंड अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, युवा कल्याण अधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी, उद्योग केंद्र प्रतिनिधि आदि अधिकारी शामिल हैं। अभियान के दौरान सभी नोडल अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित तिथि एवं समय पर ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे तथा संबंधित जनप्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। सभी विभागों के प्रतिनिधि अपने विभाग द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी आमजन को उपलब्ध कराएंगे तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से आच्छादित करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करेंगे। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त आवेदन-पत्रों को मौके पर ही प्राप्त किया जाएगा तथा जहां संभव हो, तत्काल जांच एवं स्वीकृति की कार्यवाही की जाएगी। प्राप्त जनसमस्याओं, शिकायतों एवं सुझावों का संकलन कर उनका गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर विभागीय योजनाओं से संबंधित प्रचार-प्रसार सामग्री, आवेदन-पत्र, पात्रता संबंधी विवरण आदि उपलब्ध रहेंगे। अभियान को जनोपयोगी एवं परिणामपरक बनाने के लिए ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, स्वयं सहायता समूह, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री, आशा कार्यकर्त्री, शिक्षकगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सक्रिय सहयोग लिया जाएगा।अभियान के दौरान स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, डिजिटल सेवाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल दिया जाएगा। समस्त विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि कार्यक्रम केवल औपचारिक न रहकर पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिले तथा जनसमस्याओं का समाधान हो। इस अभियान की सम्पूर्ण निगरानी एवं पर्यवेक्षण मुख्य विकास अधिकारी द्वारा किया जाएगा एवं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उपयुक्त उद्योग केंद्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, श्रम-प्रवर्तन अधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी आदि द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने सभी अधिकारियों को अभियान को पूर्ण रूप से जनोपयोगी और सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।

# पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती लिखित परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौरतलब है कि यह लिखित परीक्षा 8, 9 एवं 10 जून को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जा रही है। मंगलवार को परीक्षा के द्वितीय सत्र

के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बहजोई स्थित हीरादेवी तोताराम कन्या इंटर कॉलेज तथा इंटरमीडिएट कॉलेज परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, अभ्यर्थियों की प्रवेश एवं तलाशी व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। साथ ही परीक्षार्थियों के लिए उपलब्ध कराई गई पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने भीषण गर्मी को देखते हुए केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षार्थियों के लिए पर्याप्त एवं सुचारु पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के साथ-साथ अभ्यर्थियों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

# संदीप बंसल के जन्मदिवस पर मनाया गया सेवा संकल्प दिवस, व्यापारियों ने ली हितों की रक्षा की शपथ

**चंदौसी/संभल(सब का सपना):-** अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के जन्मदिवस के अवसर पर पूरे प्रदेश में सेवा संकल्प दिवस मनाया गया। इसी क्रम में मंगलवार को चंदौसी के जारई गेट स्थित युवा नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद सद्दाम के प्रतिष्ठान पर एक बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान व्यापारियों ने शरबत वितरण कर सेवा संकल्प दिवस उत्साहपूर्वक मनाया तथा व्यापारी हितों के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर ने कहा कि अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एकमात्र ऐसा संगठन है जो हर समय व्यापारियों के सुख-दुख में उनके साथ खड़ा रहता है। संगठन प्रशासन से लेकर शासन स्तर तक व्यापारियों की समस्याओं और मांगों को

मजबूती से उठाता है। युवा प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने अपना पूरा जीवन व्यापारियों के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने में समर्पित किया है। उनके प्रयासों से व्यापारिक सुरक्षा प्रकोष्ठ का गठन हुआ और प्रदेशभर में प्रत्येक माह एएसपी की अध्यक्षता में व्यापारियों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज उनके जन्मदिवस पर पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में सेवा संकल्प दिवस मनाया जा रहा है। युवा जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता ने कहा कि बड़ी संख्या में युवा व्यापारी संगठन से जुड़ रहे हैं, क्योंकि व्यापार मंडल व्यापारियों के अधिकारों और समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने सदस्यता अभियान को और तेज करने की बात कही।

बैठक को प्रभात कृष्णा, वसीम अख्तर, उमेश वार्ष्णेय, अनुज वार्ष्णेय और अन्नू सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष प्रेम ग्रोवर ने उपस्थित व्यापारियों को शपथ दिलाई कि वे पूरी निष्ठा और लगन के साथ व्यापारी हितों की रक्षा एवं संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्य करेंगे।

कार्यक्रम में मोहम्मद सद्दाम चिश्ती, सुभाष मित्तल, ललतेश वार्ष्णेय, सुशील अग्रवाल, सुभाष चंद्र पाल, चिंटू शर्मा, प्रमोद अग्रवाल, रमेश ग्रेवाल, अमन अंसारी, मोहम्मद अनस, मोहित सक्सेना, उमेर शमसी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। अंत में कार्यक्रम आयोजक मोहम्मद सद्दाम हुसैन ने सभी अतिथियों एवं व्यापारियों का आभार व्यक्त किया।

# गुम हुआ 12 वर्षीय बालक पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

**गुन्नौर/संभल(सब का सपना):-** जनपद में चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत गुन्नौर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुम हुए 12 वर्षीय बालक को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार निरंजन पुत्र सियाराम निवासी ग्राम भोजपुर, थाना गुन्नौर ने यूपी-112 पर सूचना दी कि उनका 12 वर्षीय पुत्र सुमित खेत पर गया था, लेकिन वहां से अचानक लापता हो गया। सूचना मिलते ही पीआरवी एवं थाना गुन्नौर पुलिस सक्रिय हो गई और बालक की तलाश शुरू कर दी। मंगलवार को ऑपरेशन मुस्कान अभियान के अंतर्गत पुलिस टीम ने त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए गुमशुदा बालक सुमित को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर बालक को उसके पिता निरंजन के सुपुर्द कर दिया गया। अपने पुत्र को सुरक्षित वापस पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस की तत्परता एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बच्चों की तलाश और उन्हें परिजनों से मिलाने का अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।

# जीव-जंतुओं की सेवा कर मनाया पुण्य दिवस, हनुमान जी को लगाया प्रसाद का भोग

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** बहजोई क्षेत्र के ग्राम राजपुर स्थित झाड़ी वाले भोलेनाथ मंदिर परिसर में मंगलवार को समाजसेवी कालीचरण एवं गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा जीव-जंतुओं की सेवा का विशेष आयोजन किया गया। इस दौरान पशु-पक्षियों और अन्य जीवों के लिए खीरा, तरबूज सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों की व्यवस्था कर उन्हें प्रसाद स्वरूप वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान हनुमान जी महाराज को प्रसाद अर्पित किया गया तथा जीव-जंतुओं की सेवा को मानव जीवन

का महत्वपूर्ण धर्म बताया गया। आयोजकों ने कहा कि पशु-पक्षी और अन्य जीव भी प्रकृति का अभिन्न अंग हैं तथा उनकी सेवा करना पुण्य का कार्य है। समाजसेवी कालीचरण ने कहा कि मनुष्य योनि सेवा और परोपकार के लिए मिली है। आज के समय में लोग स्वार्थ की भावना में उलझते जा रहे हैं, जबकि हमें जरूरतमंदों के साथ-साथ मूक जीवों की भी सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि धन-संपत्ति और भौतिक सुख-सुविधाएं यहीं रह जाती हैं, जबकि अच्छे कर्म और प्रभु का नाम ही मनुष्य के साथ जाता है। उन्होंने लोगों से जीवों के प्रति दया, करुणा और सेवा भाव रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने भी जीव-जंतुओं की सेवा कर पर्यावरण एवं जीव संरक्षण का संदेश दिया।

# मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक

**संभल(सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत मंगलवार को जनपद संभल में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन, नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह तथा क्षेत्राधिकारी चन्दौसी एवं सहायक नोडल अधिकारी मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में चौपालों का आयोजन कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण, महिला सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। महिला पुलिसकर्मियों ने बालिकाओं को जागरूक करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तत्काल सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। महिलाओं और बालिकाओं को वीमेन पावर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्पलाइन-181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन-1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के बारे में बताया गया। साथ ही मोबाइल फोन में इमरजेंसी कॉल एवं पैनिक बटन के उपयोग का डेमो भी देकर जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक बनाना है।

# भदौरा के जंगल में मिली मांस लदी लावारिस कार, ग्रामीणों में आक्रोश

## पुलिस ने जांच शुरू की, 24 घंटे में खुलासा न होने पर धरने की चेतावनी

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** तहसील क्षेत्र के ग्राम भदौरा के जंगल में भदौरा-सहेलिया मार्ग पर मांस लदी लावारिस अर्टिगा गाड़ी मिलने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने 24 घंटे में खुलासे की मांग की है। आपको बता दे कि मंगलवार प्रातः भदौरा के किसान सिंचाई के लिए खेतों की ओर गए तो चकमार्ग किनारे एक अर्टिगा गाड़ी फंसी दिखी। गाड़ी का एक साइड के दोनों पहिए पानी भरे बाजरे के खेत में उतर गए थे। धीरे-धीरे चर्चा फैलने पर भदौरा और

नगलिया मुंशी के किसान मौके पर जमा हो गए। किसानों ने गाड़ी की सूचना राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा को दी। सूचना पर वे मौके पर पहुंचे और थाना सैदनगली पुलिस को अवगत कराया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर खिड़की से अंदर देखा तो एक मोबाइल पड़ा मिला। जिसके बाद ट्रैक्टर की मदद से गाड़ी को खींचकर थाने ले जाया गया। वहीं पुलिस ने पशु चिकित्सक को बुलाकर गाड़ी में मिले मांस का सैंपल परीक्षण के लिए भेज दिया है।

आगे की कार्रवाई जारी है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि गाड़ी में मिले मोबाइल की जांच कर अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि 24 घंटे में खुलासा कर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई न होने की स्थिति में 11 जून बृहस्पतिवार को 11 बजे सीओ हसनपुर कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

# नो एंट्री में घुसे वाहनों पर कार्रवाई, 215 का कटा चालान

## अटल चौक पर भारी जुमार्ना, यातायात पुलिस ने चलाया सघन चेकिंग अभियान

**अमरोहा (सब का सपना):-** सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में यातायात पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। प्रभारी यातायात राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में चले अभियान में नो एंट्री में घुसने वाले वाहनों पर भारी जुमार्ना लगाया गया। अटल चौक पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की गई।यातायात पुलिस टीम ने प्रमुख चौराहों, बाजारों, हाईवे और व्यस्त मार्गों पर चेकिंग की। बिना हेलमेट, सीट बेल्ट न लगाने, रॉन्ग साइड चलने, ओवरस्पीडिंग और मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाने वालों पर एमवी एक्ट के तहत कार्रवाई हुई। इस दौरान कुल 215 वाहनों के चालान काटे गए। पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा 2026 में आए परीक्षार्थियों के लिए सुगम यातायात व्यवस्था बनाई गई ताकि उन्हें किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। अभियान के दौरान पुलिस ने मानवता भी दिखाई।

एक सीनियर सिटीजन महिला की मदद करते हुए उसे बस में बैठाकर घर तक पहुंचाया गया। पुलिस ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन कानूनी दायित्व के साथ खुद और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। नो एंट्री में आने वाले वाहनों पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# शादी की खुशियों के बीच मातम, युवती की मोटरसाइकिल से गिरकर मौत

**बिजनौर (सब का सपना):-** जिस घर में कुछ दिनों बाद शहनाई की गूंज सुनाई देने वाली थी, वहां अब मातम पसरा हुआ है। शादी की तैयारियों में जुटे परिवार पर उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब 13 जून को विवाह बंधन में बंधने वाली युवती की अचानक मौत हो गई। स्योहारा के मोहल्ला कस्बा निवासी अर्शी परवीन पुत्री मकसूद अहमद मंगलवार को अपने भाई दानिश के साथ मोटरसाइकिल से गांव मुकरपुरी स्थित हजरत जी के यहां दुआ कराने जा रही थी। परिजनों के अनुसार अर्शी की शादी तय हो चुकी थी और 13 जून को बारात आने वाली थी।

इसी सिलसिले में वह दुआ लेने के लिए जा रही थी। बताया जाता है कि विवाह मंडप के समीप पहुंचने पर अर्शी को अचानक चक्कर आया और वह चलती मोटरसाइकिल से नीचे गिर गई। गंभीर हालत में उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की, लेकिन परिजन और अन्य लोग पोस्टमार्टम कराने का विरोध करने लगे। काफी समझाने-बुझाने के बाद परिजन राजी हुए, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि युवती की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

# स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर निजी चिकित्सकों संग हुआ संवाद,दी जानकारी

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** केन्द्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून तक चल रहे समेकित जनकल्याण एवं जनजागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में विशेष जनसंपर्क एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें जनपद के निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों ने सहभागिता की। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने, जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने केन्द्र

सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और जनपद में संचालित विकास कार्यों की जानकारी देते हुए चिकित्सकों से लोगों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। संवाद के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, ट्रॉमा सेंटर की आवश्यकता तथा आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही निजी चिकित्सकों को स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जनआंदोलन बनाने की अपील करते हुए चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ एवं उनके परिवारों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया। बैठक में आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने तथा योग और आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर स्टेट इम्यूनाइजेशन अधिकारी डॉ. अजय गुप्ता ने 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए एचपीवी (HPV) वैक्सीन के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद की सीएचसी और पीएचसी पर यह वैक्सीन उपलब्ध है तथा पात्र बालिकाओं का टीकाकरण किया जा रहा है। इसके अलावा 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान की जानकारी देते हुए सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने में सहयोग की अपील की गई।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज बिश्नोई सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं निजी चिकित्सालयों के चिकित्सक उपस्थित रहे।

# डाकघरों में स्पीड पोस्ट की ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था पर उठे सवाल, स्योहारा निवासी की शिकायत पर मुख्य डाक महाध्यक्ष कार्यालय ने मांगी कार्रवाई रिपोर्ट

**स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):-** डाकघरों में स्पीड पोस्ट के लिए केवल ऑनलाइन भुगतान स्वीकार किए जाने की व्यवस्था को लेकर स्योहारा निवासी एक नागरिक ने सवाल उठाते हुए भारतीय डाक विभाग से नकद भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराने की मांग की है। मामले में की गई शिकायत पर उत्तर प्रदेश सर्किल के मुख्य डाक महाध्यक्ष (Chief Postmaster General) कार्यालय ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता को उचित उत्तर देने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्योहारा के बड़ा बाजार निवासी संजीव कुमार गर्ग ने भारतीय डाक विभाग के महानिदेशक को ई-मेल भेजकर बताया कि वह अपने नगर के डाकघर में एक आरटीआई आवेदन स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजने पहुंचे थे। उनका आरोप है कि भुगतान के समय डाकघर कर्मचारी ने उन्हें बताया कि स्पीड पोस्ट शुल्क का भुगतान केवल ऑनलाइन माध्यमों जैसे फोनपे, पेटीएम आदि से ही किया जा सकता है तथा नकद भुगतान स्वीकार नहीं किया जाएगा। शिकायत में संजीव कुमार गर्ग ने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग, विशेषकर बुजुर्ग नागरिक, स्मार्टफोन या डिजिटल भुगतान प्रणाली का उपयोग नहीं कर पाते हैं। ऐसे में यदि डाकघरों में केवल ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था रहेगी तो आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि इससे लोग निजी कूरियर सेवाओं की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे भारतीय डाक विभाग को भी अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान हो सकता है। उन्होंने विभाग से जनहित में स्पीड पोस्ट के लिए ऑनलाइन और नकद (कैश) दोनों माध्यमों से भुगतान स्वीकार करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इस शिकायत के बाद उत्तर प्रदेश सर्किल, लखनऊ स्थित मुख्य डाक महाध्यक्ष कार्यालय से सहायक निदेशक (सीएस) द्वारा संबंधित अधिकारियों को पत्र जारी कर कहा गया है कि शिकायत पर आवश्यक कार्रवाई करते हुए उसका निस्तारण किया जाए तथा शिकायतकर्ता को सीधे उचित उत्तर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही कार्यालय को भी इसकी सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। यह मामला सामने आने के बाद डाक सेवाओं में डिजिटल भुगतान के साथ-साथ पारंपरिक नकद भुगतान व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता पर भी चर्चा शुरू हो गई है, ताकि तकनीकी संसाधनों से वंचित लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

# ज्वाला भगवती वृद्धा एवं अनाथ आश्रम फाउंडेशन द्वारा भीषण गर्मी के चलते किया गया मीठा जल वितरित

**बुलंदशहर (सब का सपना) मुकेश आर्य:-** ज्वाला भगवती वृद्धा एवम अनाथ आश्रम फाउंडेशन द्वारा खुर्जा शिकारपुर रोड बाढा बम्बे पर स्थित मंदिर पर भीषण गर्मी के चलते मीठे जल का वितरण किया गया। मंदिर के पुजारी पवन गिरी ने बताया कि लगातार भीषण गर्मी पड़ रही है जिसके चलते लोगों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए मीठे जल का वितरण किया गया। भीषण गर्मी में वहां से आवागमन कर रहे लोगों को रोखकर उन्हें मीठा जल वितरित किया गया। लोगों ने मीठा जल ग्रहण भीषण गर्मी में राहत की सांस ली। इस मौके पर मंदिर के पुजारी पवन गिरी, सरिता, रेखा, सुरेश सैनी सचिन सैनी, रंजीत चौधरी, सचिन आदि श्रद्धालुओं मीठे जल का वितरण किया।

# जहांगीराबाद मंडी का बुरा हाल, सुविधाओं के अभाव में किसान-व्यापारी परेशान

**जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):-** नवीन कृषि उत्पादन मंडी समिति जहांगीराबाद में अव्यवस्थाओं को लेकर किसानों और व्यापारियों में भारी नाराजगी है। मंडी परिसर में पेयजल, सफाई और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। सरकारी नल और आरओ प्लांट लंबे समय से खराब पड़े हैं, जबकि जगह-जगह गंदगी और जलभराव से आवागमन प्रभावित हो रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि कई बार शिकायत और ज्ञापन देने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं किया गया। किसान नेता कुँवर पाल सिंह (जिलाउपाध्यक्ष किसान यूनियन टिकैत) ने आरोप लगाया कि शुल्क वसूले जाने के बावजूद किसानों को आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। किसानों और व्यापारियों ने जिला प्रशासन व मंडी परिषद के उच्च अधिकारियों से जल्द व्यवस्था सुधारने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर संयुक्त रूप से आंदोलन किया जाएगा।

# जहांगीराबाद में जुटे अधिवक्ता, संगठन की एकजुटता और अधिवक्ता हितों पर दिया जोर

**जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):-** नगर के टाउन स्कूल क्षेत्र स्थित अधिवक्ता शिवम कौशिक के आवास पर अधिवक्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें बार से जुड़े विभिन्न मुद्दों, अधिवक्ताओं के हितों और संगठन की मजबूती को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं युवा अधिवक्ता शामिल हुए। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान, बार की गरिमा बनाए रखने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए सभी का एकजुट रहना आवश्यक है। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रविंद्र शर्मा (धतूरी) ने भी अधिवक्ताओं से संवाद किया और बार के विकास तथा अधिवक्ताओं के हितों के लिए निरंतर कार्य करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। रविंद्र शर्मा ने कहा कि अधिवक्ताओं का सम्मान और उनकी सुविधाओं में वृद्धि उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा अधिवक्ताओं की आवाज को मजबूती से उठाने का भरोसा दिलाया। बैठक में मौजूद अधिवक्ताओं ने कहा कि आगामी बार चुनाव में ऐसे पदाधिकारियों का चयन होना चाहिए जो अधिवक्ताओं के हितों की प्रभावी पैरवी कर सकें और बार की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करें। बैठक में पीयूष मिश्रा, शरद कौशिक, विष्णु प्रताप सिंह, बीपी सिंह, विशाल पाठक, यतीश गौड़, सोमनाथ तोमर, विजय पाठक, वरुण कौशिक, चेतन शर्मा, तरुण गुप्ता, अंकुर पाठक, विनोद शर्मा, धर्मेंद्र सिंह, मनोज त्यागी, अशोक शर्मा, नरेश चौधरी, रवि त्यागी सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी ने अधिवक्ता हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया।

# नीट का पेपर लीक, बढ़ती महंगाई को लेकर समाजवादी पार्टी ने किया हल्ला बोल प्रदर्शन

**बुलन्दशहर (सब का सपना):-** सपा के जिलाध्यक्ष मतलूब अली के अगुआई में हजारो की संख्या में पार्टी के नेताओ, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने प्रदेश में बढ़ती महंगाई, गिरती कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं तथा अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बुलन्दशहर के माध्यम से प्रेषित किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मतलूब अली ने कहा कि प्रदेश की जनता वर्तमान समय में महंगाई, बेरोजगारी, अपराध, भ्रष्टाचार, बिजली संकट एवं प्रशासनिक अव्यवस्थाओं से त्रस्त है। लगातार बढ़ती महंगाई के कारण आम नागरिकों का जीवन कठिन हो गया है तथा युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। ज्ञापन में प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं पर रोक लगाने, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने, रिक्त सरकारी पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग की गई। इसके साथ ही रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल एवं आवश्यक खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण करने की भी मांग उठाई गई। समाजवादी पार्टी ने किसानों को पर्याप्त बिजली, खाद, बीज एवं सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने, फसलों का उचित समर्थन मूल्य सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति प्रदान करने की मांग की। साथ ही प्रदेश में बढ़ते अपराध, महिला उत्पीड़न, लूट, हत्या एवं भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। ज्ञापन में पीडीए समाज एवं अन्य कमजोर वर्गों के लोगों को फर्जी मुकदमों, उत्पीड़न एवं कथित फर्जी एनकाउंटर जैसी घटनाओं से सुरक्षा प्रदान करने तथा निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति, उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास योजनाओं का विस्तार करने की मांग रखी गई। समाजवादी पार्टी ने महामहिम राज्यपाल महोदया से आग्रह किया कि प्रदेश की जनता के हित में उपरोक्त मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को आवश्यक निर्देश प्रदान किए जाएं, जिससे आमजन को राहत मिल सके। धरना प्रदर्शन में हाजी अख्तर, जितेन्द्र यादव, महेन्द्र वाल्मीकि, होशियार सिंह, मुकेश शर्मा, अनिल चरौरा, लोधी चरन सिंह राजपूत, गजराज नागर, बंशी पहाड़िया, भारत सिंह गुर्जर, विनय शर्मा, मनीष शर्मा, देव रंजन नागर, हरेन्द्र चौधरी, ठाकुर संदीप राघव, हरीश लोधी, योगेश प्रधान, प्रेमवीर यादव, पिंटू प्रमुख, अन्नू चौधरी, पंडित अमित गौतम, विनीत राणा, फिरे सिंह प्रजापति, अर्जुन सिंह पूर्व आर0टी0ओ0, नवीन शर्मा, दिनेश गुर्जर, हिमायत अली, शेख रहीश, संजीव भाटी, अतुल यादव, दीपाशु गोस्वामी, ताहीर सैफी, नितिन बिधूड़ी, नीरज यादव, नितेश यादव, नटवर सिंह, हेमंत राघव, संजीव सिरोही, यासमीन तलत उस्मानी, प्रमोद यादव, वर्षा प्रधान, शैंकी वाल्मीकि, कौशल यादव, संदीप सिरोही, जाकिर उर्फ बबलू, चौधरी अनार सिंह, शकील अहमद, शेखर वशिष्ठ, रामकुमार यादव, सतीश गौतम, चौधरी चन्द्रपाल सिंह, कासिम प्रधान, अनिल लोधी, रामा शंकर लोधी, अजय अहेरिया, रघुराज प्रताप जाटव, जोगिन्द्र पोशवाल, सुहेल अबरार, कोमल गुर्जर, नईम प्रधान, शिवम गोस्वामी,वसीम सैफी, राजू अल्वी, हर्ष ठाकुर, आरिफ प्रधान, विवेक गौतम, हाजी यासीन, आसिफ जमाली, इन्द्रजीत जाटव, मौहसिन गाजी, जफरूद्दीन सैफी, शफीक अहमद, हसीन सैफी, हाजी शाहीद, आस मौहम्मद गाजी, जावेद कुरैशी, सगीर अहमद, विपिन यादव, शहजाद अल्वी, मौहम्मद आसकीन, जफर आलम, इरशाद खां, तरून अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, त्रिलोकी अग्रवाल, प्रियांशु जाटव, अशोक तेवतिया, चौधरी विद्या सिंह, मुख्तर राजपूत, फैसल आहार, आसिफ अंसारी, हाजी खालिद सिद्दकी, डॉ0 हसीब आदि उपस्थित रहे।

# श्रीमद् खाकी बाबा धाम प्रांगण में हुआ विशाल भंडारे का आयोजन, बड़ी तादाद में जुटे भक्त

**गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):-** खुशहालपुर स्थित श्रीमद खाकी बाबा धाम के प्रांगण में मंगलवार को ग्रामीणों ने एकत्र होकर विधिवत पूजा-पाठ की और इंद्रदेव से ज्येठ की गर्मी से राहत पाने के लिए बारिश की प्रार्थना की। इसके उपरांत समस्त ग्रामीण के सहयोग से श्रीमद् खाकी बाबा धाम पर विशाल भंडारे का आयोजन किया। बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। खुशहालपुर गांव निवासी लविश ने बताया ज्येठ की गर्मी में सूरज की तपिश और बढ़ते तापमान से लोगों का जीना मुहाल है। दोपहर की धूप में जरूर के समय भी लोग घर से निकलने में बच रहे हैं। भीषण गर्मी से राहत मिले इसके लिए इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए पूजा-पाठ और भंडारे का आयोजन किया गया। अजय धनकड़ ने कहा गर्मी के प्रकोप से उल्टी, दस्त, बुखार जैसी बीमारियां के मरीजों की संख्या बढ़ रही हैं। तबीयत में गिरावट होने पर तत्काल चिकित्सक से परामर्श लें और सेहत का ख्याल रखें। डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए समय-समय पर पानी पीते रहे और गर्मी में सिर पर कपड़ा रखकर ही बाहर निकलें।

रनवीर प्रधान के मुताबिक देश में अमन, सुख-शांति के लिए पूजा-पाठ कर इंद्रदेव से बारिश की प्रार्थना की गई। इस मौके पर ओमपाल मोदी, लविश, संदीप मोदी, कपिल धनकड़, नरेन्द्र उर्फ नंदू, सुनील मोदी, रनवीर धनकड़, टीटू, विपिन शर्मा, रविन्द्र उर्फ भाटा, गोलू, अजयपाल, अजय धनकड़ आदि समेत अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

# डीएम-एसएसपी ने किया पुलिस भर्ती परीक्षा का निरीक्षण

**बुलन्दशहर (सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी भर्ती परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी कुमार हर्ष एवं एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने गांधी बाल निकेतन कन्या इंटर कॉलेज और जेपी जनता इंटर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने सीसीटीवी व्यवस्था का अवलोकन करते हुए सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने तथा किसी भी अनियमितता पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अभ्यर्थियों की सघन जांच एवं सत्यापन के बाद ही प्रवेश दिया गया। परीक्षा सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न होती पाई गई।

# नगर पालिका की लापरवाही उजागर सड़क के गड्ढे में फंसा रेत से भरा डम्पर बड़ा हादसा टला

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):-** नगर पालिका प्रशासन की घोर लापरवाही के कारण मौहल्ला मुफ्तीवाड़ा में एक बड़ा हादसा होते-होते बचा, नगर के प्रमुख भगतजी होटल के पास स्थित इस मुख्य मार्ग पर लम्बे समय से एक गहरा गड्ढा बना हुआ है जिसमें रेत से भरा एक अनियंत्रित डम्पर फंस गया। डम्पर फंसने के बाद आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में हड़कम्प मच गया। स्थानीय दुकानदारों और मौहल्लेवासियों का आरोप है कि इस खतरनाक गड्ढे को लेकर कई बार नगर पालिका के कर्मचारियों को अवगत कराया जा चुका था, लोगों ने कर्मचारियों से इस गड्ढे को भरवाने की गुहार लगाई थी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो लेकिन नगर पालिका कर्मियों की कार्यशैली का आलम यह रहा कि उनके कानों पर जूं तक नहीं रेंगी शिकायत सुनने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसे पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। सुबह जैसे ही दिन निकला रेत से लदा एक भारी-भरकम डम्पर इस गड्ढे की चपेट में आ गया और उसका पहिया बुरी तरह धंस गया। भारी डम्पर के एक तरफ झुक जाने के कारण आसपास के दुकानदारों में दहशत फैल गई। दुकानदारों को डर सता रहा था कि कहीं डम्पर दुकानों के ऊपर न पलट जाए जिससे भारी जान-माल का नुकसान हो सकता था। अगर नगर पालिका के कर्मचारी समय रहते इस गड्ढे को मिट्टी या रोड़ी डालकर भर देते तो आज यह नौबत ही क्यों आती? उनकी लापरवाही का खामियाजा हमें और यहां से गुजरने वाले राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है।

सुबह के समय नौकरीपेशा लोगों और राहगीरों को निकलने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।इस घटना को लेकर नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ स्थानीय जनता और व्यापारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है जब इस सम्बन्ध में नगर पालिका ईओ नीतू सिंह, से जानकारी की गई तो उन्होंने बताया कि जल्द से जल्द गढ्ढे को भरवा दिया जायेगा।

# भगवानपुर गंगा में नहाते समय डूबे दो व्यक्ति, तलाश जारी

**बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):-** भगवानपुर गंगा घाट पर जनपद अमरोहा के हसनपुर थानाक्षेत्र के गांव ढाके वाली मिल्क के दो व्यक्ति नहाते समय गंगा में डूब गये। रैसक्यू आपरेशन जारी है लेकिन अभी तक किसी का भी शव नही मिला है। जानकारी के अनुसार चौकी बुगरासी के गांव भगवानपुर गंगा घाट पर जिला अमरोहा थाना हसनपुर के गांव ढाके की मिल्क निवासी यशपाल पुत्र चतरू व मनोज पुत्र हरपाल अपने कुछ साथियों के साथ भगवानपुर गंगा घाट पर नहाने आये थे नहाते नहाते दोनो गहरे पानी में चले गये और डूब गये। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी बुगरासी नीटू मलिक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गये और गांव से गोताखोर बुलाकर दोनों के शव की तलाश कराई। कुछ समय बाद एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई, लेकिन किसी का भी शव नही मिल सका है। समाचार लिखे जाने तक डूबे दोनों की तलाश जारी थी लेकिन अभी तक डूबे हुए दोनों में से कोई भी नहीं मिल सका।

# राशन कार्डों का नियमित सत्यापन और शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करें:- डीएम जसजीत कौर

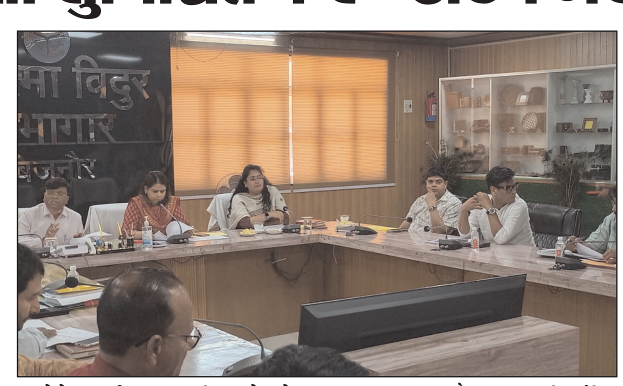


**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निकायों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।kजिलाधिकारी ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केवल स्वच्छता का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जनस्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी आदेशों का पालन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में उन्होंने सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में बल्क वेस्ट जनरेटर (Bulk Waste Generators) की पहचान कर उनका निर्धारित पोर्टल पर शीघ्र पंजीकरण कराया जाए। बड़े संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य इकाइयों को नियमों के अनुरूप अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था से जोड़ा जाए, ताकि कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित हो सके। डीएम ने प्रत्येक निकाय से विस्तृत एक्शन प्लान तैयार कर निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत करने को कहा। इस कार्ययोजना में कूड़ा संग्रहण, स्रोत स्तर पर पृथक्करण, परिवहन, निस्तारण, बल्क वेस्ट जनरेटरों का पंजीकरण, जनजागरूकता अभियान तथा स्वच्छता से जुड़े अन्य आवश्यक बिंदुओं को शामिल करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण करने तथा खुले में कूड़ा फेंकने और अवैध डंपिंग करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि घरों, संस्थानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले, सूखे, सैनिटरी और स्पेशल केयर वेस्ट का स्त्रोत स्तर पर पृथक्करण कराया जाए। प्रत्येक श्रेणी के कचरे के संग्रहण, परिवहन और निस्तारण के लिए अलग व्यवस्था विकसित की जाए तथा नागरिकों को इसके प्रति जागरूक किया जाए। विशेष रूप से सैनिटरी एवं स्पेशल केयर वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण में निर्धारित मानकों और प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, जनपद के सभी अधिशासी अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# राशन कार्डों का नियमित सत्यापन और शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित करें:- डीएम जसजीत कौर

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और पात्र लाभार्थियों तक सुचारु रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, राशन कार्ड सत्यापन, ई-केवाईसी और खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित राशन कार्डों का नियमित सत्यापन कराया जाए। सत्यापन के दौरान अपात्र व्यक्तियों की पहचान कर नियमानुसार उनके राशन कार्ड निरस्त किए जाएं, जबकि पात्र परिवारों को ही सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि जिन राशन कार्ड धारकों की ई-केवाईसी (e-KYC) अभी तक पूरी नहीं हुई है, उनकी प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराई जाए। उचित दर विक्रेताओं के माध्यम से लाभार्थियों को जागरूक करते हुए शत-प्रतिशत ई-केवाईसी सुनिश्चित की जाए तथा लंबित मामलों की नियमित समीक्षा की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि उचित दर की दुकानों पर खाद्यान्न वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। वितरण संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोदामों से राशन का समय पर उठान सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रत्येक माह निर्धारित तिथियों के भीतर सभी पात्र लाभार्थियों तक खाद्यान्न का शत-प्रतिशत वितरण हो सके और किसी भी परिवार को असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में खाद्य सुरक्षा के मुद्दे पर भी जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाई। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा सीधे आमजन के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है, इसलिए योजनाबद्ध तरीके से रोस्टर बनाकर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच की जाए। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए तथा आम जनता को खाद्य सुरक्षा कानूनों, नियमों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, जिला पूर्ति अधिकारी अभय प्रताप सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# ओ जोन में शामिल 92 कॉलोनियों को राहत, बीजेपी सांसद बिधूड़ी और मनोज तिवारी बोले- अंतिम निर्णय तक कोई तोड़फोड़ नहीं

**नई दिल्ली।** दिल्ली भाजपा की प्रेसवार्ता में सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और मनोज तिवारी ने बताया कि दिल्ली सरकार ने स्पष्ट किया है कि गलत तरीके से ओ-जोन में शामिल किए गए 92 कॉलोनियों और गांवों पर अंतिम निर्णय होने तक पुराने निर्माण के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होगी। केंद्र सरकार ने भी स्वीकृति दी सांसद ने कहा कि वर्ष 2010 में दिल्ली और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। उस समय 92 कॉलोनियों और कई गांवों को ओ-जोन में लाया गया था, जबकि वर्ष 2008 में इन्हें नियमित कर दिया गया था। वहां के लोगों के विरोध के बाद सितंबर, 2013 में तत्कालीन उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीडीए ने इस निर्णय को वापस ले लिया था जिसे केंद्र सरकार ने भी स्वीकृति दी थी। उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से भी मिले उन्होंने कहा कि नोटिफिकेशन भी जारी हुआ था, जिसके विरुद्ध एक सामाजिक कार्यकर्ता एनजीटी में चले गए थे।जनवरी, 2015 में एनजीटी ने प्रिंसिपल कमेटी को बाढ़ वाले क्षेत्र की पहचान करने का निर्देश दिया। कमेटी द्वारा पहचान करने के बाद डीडीए ने भी माना कि ये कालोनियां और गांव ओ-जोन में नहीं हैं। इसके बाद भी सितंबर, 2013 के नोटिफिकेशन को लागू नहीं किया गया। इसे लेकर उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से भी मिले थे। 1531 कॉलोनियों को नियमित करने का आदेश मंगलवार को मुख्यमंत्री ने भाजपा सांसदों के साथ बैठक की।

यह स्पष्ट किया गया है कि इन कालोनियों के पुराने निर्माण पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। नए निर्माण होने पर डीडीए और नगर निगम कार्रवाई करेंगे। लोगों से अपील है कि अंतिम निर्णय आने तक कोई निर्माण न करें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री ने 1531 कॉलोनियों को नियमित करने का आदेश दिया है। रेखा गुप्ता सरकार ने इन कालोनियों और गांवों में सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए दो हजार करोड़ रुपये का फंड जारी किया है। जल्द ही 92 कॉलोनियों और गांवों को भी ओ-जोन से बाहर किया जाएगा। क्या कहा सांसद मनोज तिवारी ने? सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि इन कॉलोनियों और गांवों में त्रुटिपूर्ण ओ-जोन लगा हुआ है। इसे ठीक करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली के सभी अनधिकृत कालोनियों को नियमित किया जा रहा है। ओ-जोन में शामिल कॉलोनियों को इससे बाहर रखा गया है। ओ-जोन का अर्थ है ऐसे क्षेत्र जहां यमुना का पानी पहुंचता है। दिल्ली में यमुना का पानी रोकने के लिए कई स्थानों पर पुश्ता का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि ओ-जोन की समस्या के लिए पूर्व की आप सरकार जिम्मेदार है। पूर्व की सरकार ने इन क्षेत्रों में बिजली के मीटर भी लगाने देती थी। भाजपा सरकार ने यह समस्या दूर की। अब आप नेता भ्रम फैला रहे हैं। अक्षरधाम भी ओ-जोन में आप के बुराड़ी के विधायक संजीव झा सहित कई विधायक, पार्षद और नेता सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किए हुए हैं। वह इस मामले में शोर मचा रहे हैं जिससे कि उनका कब्जा बच जाए। आप नेताओं द्वारा फैलाए जा रहे भ्रम से लोगों को परेशान और भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। भाजपा इन कॉलोनियों और गांवों को त्रुटिपूर्ण ओ-जोन से बाहर निकालेगी और तबतक किसी भी पुराने निर्माण को नहीं गिराया जाएगा। बिधूड़ी ने कहा कि 2010 के डीडीए के निर्णय के अनुसार दिल्ली सचिवालय, अक्षरधाम भी ओ-जोन में आता है।

## हौजरानी होटल आग मामले में दिल्ली एचसी से न्यायिक जांच की मांग, हादसे में गई थी 22 लोगों की जान

**नई दिल्ली।** हौजरानी के फ्लोरिश होटल में लगी आग में विदेशी नागरिकों सहित 22 लोगों की मौत के मामले की जांच की मांग दिल्ली हाई कोर्ट पहुंच गई है। अधिवक्ता भविष्य शाक्य ने दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को खुला पत्र लिखकर घटना का स्वतः संज्ञान लेने और न्यायिक जांच की मांग की। जिम्मेदार एजेंसियों से कराई जाए भूमिका की जांच अधिवक्ता ने पत्र में आग्रह किया है कि आग लगने के कारणों की निष्पक्ष, स्वतंत्र और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करें। उन्होंने पत्र में कहा कि इस घटना से दिल्ली में सार्वजनिक सुरक्षा कानूनों के लागू होने, नियामक निगरानी और अग्नि सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हुई हैं। पत्र में अधिवक्ता ने यह भी कहा कि नियमों के उल्लंघन करने के साथ ही सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार एजेंसियों की भूमिका की जांच कराई जानी चाहिए।

## सीट-बेल्ट न लगाना बन रहा जानलेवा, एम्स की रिपोर्ट ने खोली कार सवारों की सुरक्षा में चूक की पोल

**नई दिल्ली।** सड़क दुर्घटनाओं में घायल कार सवारों में सीट-बेल्ट न लगाने की आदत तेजी से बढ़ रही है। एम्स के जयप्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (जेपीएनएटीसी) के आंकड़ों ने इस बात की चिंताजनक रिपोर्ट पेश की है। वर्ष 2025-26 में ट्रॉमा सेंटर में इलाज कराए गए 69% कार यात्रियों ने दुर्घटना के समय सीट-बेल्ट नहीं लगाई हुई थी। यह आंकड़ा पिछले साल 2024-25 के 46% की तुलना में काफी ज्यादा है। ड्राइवरों की स्थिति और भी खराब हो गई है। सीट-बेल्ट न लगाने वाले ड्राइवरों का प्रतिशत 19% से बढ़कर 40% हो गया है , यानी यह आंकड़ा एक साल में दोगुना से भी ज्यादा हो गया। डॉक्टरों की चेतावनी टाइम्स ऑफ इंडिया के रिपोर्ट के अनुसार ट्रॉमा सेंटर के चीफ डॉ. कमरान फारूकी ने कहा, कार में सीट-बेल्ट सबसे प्रभावी सुरक्षा उपकरण है। दुर्घटना के समय बिना सीट-बेल्ट वाले व्यक्ति को डैशबोर्ड, खिड़कियों से टकराने या गाड़ी से बाहर फेंके जाने का खतरा रहता है, जिससे सिर, छाती और रीढ़ की गंभीर चोटें लग सकती हैं। खासकर पिछली सीट पर बैठने वाले यात्रियों में सीट-बेल्ट लगाने की प्रवृत्ति कम है, लेकिन खतरा उनके लिए भी उतना ही है।

## क्या जेल जाने से बच जाएंगे बिहार से 6 बार के विधायक राजू सिंह? रिहाई की गुहार पर कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** हर्ष फायरिंग मामले में दोष सिद्ध होने के बाद बिहार के साहिबगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजू कुमार सिंह ने मंगलवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में अच्छे आचरण के आधार पर प्रोबेशन पर रिहा किए जाने की मांग की। मामले की सुनवाई के दौरान उनके वकील ने अदालत को बताया कि राजू सिंह को इससे पहले कभी किसी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है और वह छह बार विधायक रह चुके हैं। बचाव पक्ष ने अदालत से कहा कि राजू सिंह का सार्वजनिक जीवन लंबा रहा है तथा उनका आचरण संतोषजनक रहा है, इसलिए उन्हें प्रोबेशन का लाभ दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने प्रोबेशन अधकारी से मांगी विस्तृत रिपोर्ट दलीलों पर विचार करते हुए अदालत ने प्रोबेशन अधिकारी को राजू कुमार सिंह के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही, कोर्ट ने मामले में मृतक डॉ. अर्चना गुप्ता के परिजनों को भी नोटिस जारी कर उनका पक्ष जानने की प्रक्रिया शुरू की है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 3 जुलाई की तारीख निर्धारित की है। उस दिन प्रोबेशन अधिकारी की रिपोर्ट और पीड़ित पक्ष की प्रतिक्रिया पर आगे सुनवाई होगी। गौरतलब है कि हर्ष फायरिंग मामले में राजू कुमार सिंह को दोषी ठहराए जाने के बाद अब सजा के प्रश्न पर सुनवाई चल रही है। इसी क्रम में उन्होंने प्रोबेशन पर रिहाई की मांग अदालत के समक्ष रखी है।

## दिल्ली में शराब पीने के दौरान हुए झगड़े में युवक की हत्या, आरोपी 8 घंटे में गिरफ्तार

**पूर्वी दिल्ली।** गांधीनगर थाना पुलिस ने एक युवक की हत्या के मामले का पदार्फाश करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल खून से सनी कैंची और वारदात के समय पहने गए खून से सने कपड़े भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार पांच जून को डॉ. हेडगेवार अस्पताल से सूचना मिली थी कि कृष्ण कुमार नामक व्यक्ति चाकू जैसे नुकीले हथियार से घायल अवस्था में भर्ती कराया गया है। पुलिस अस्पताल पहुंची, लेकिन घायल न तो घटना के बारे में कुछ बता सका और न ही हमलावर की पहचान कर पाया। बाद में वह अस्पताल से बिना बताए चला गया और कानूनी कार्रवाई से भी इनकार कर दिया। छह जून को जीटीबी अस्पताल से सूचना मिली कि कृष्ण कुमार की उपचार के दौरान मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी। जांच में पता चला कि मृतक गांधीनगर के रघुवरपुरा-द्वितीय स्थित एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करता था। क्या है पूरा मामला? फैक्ट्री मालिक और कर्मचारियों से पूछताछ में सामने आया कि चार जून की रात फैक्ट्री में कुछ कर्मचारी शराब पी रहे थे। इसी दौरान उनका आपस में विवाद हो गया। आरोप है कि झगड़े के दौरान अरवाज ने पहले टाइगर नामक कर्मचारी पर हमला किया और फिर कृष्ण कुमार पर कैंची से कई वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण बाद में कृष्ण कुमार की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर सात जून को गांधीनगर थाने में हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपित की तलाश शुरू की। पुलिस ने अरबाज (27), निवासी संगम विहार, दक्षिण दिल्ली को उत्तम नगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। जांच में यह भी पता चला कि आरोपित पहले भी किशोरावस्था में हत्या के प्रयास के एक मामले में शामिल रह चुका है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

## आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामला: लालू परिवार को दिल्ली कोर्ट से राहत, आरोप तय करने का फैसला 16 जुलाई तक टला

**नई दिल्ली।** राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी व बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत 16 आरोपितों पर आरोप तय करने को लेकर अपना फैसला 16 जुलाई तक टाल दिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ अभियोजन शिकायत (चार्जशीट) दाखिल की है। इससे पहले अदालत ने 22 मई को भी आरोप तय करने के मुद्दे पर आदेश नौ जून के लिए स्थगित कर दिया था। क्या है पूरा

मामला? मामला आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) का है। ईडी की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआइ) की एफआइआर पर आधारित है। आरोप है कि वर्ष 2004 से वर्ष 2009 के बीच लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहने के दौरान आईआरसीटीसी के होटलों के संचालन और रखरखाव के ठेके निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना एक निजी कंपनी को दिए गए थे। जांच एजेंसियों के अनुसार, ठेका दिए जाने के बदले करीब तीन एकड़ जमीन एक बेनामी कंपनी के माध्यम से हासिल की गई, जिसका संबंध लालू परिवार और उनके करीबी सहयोगियों से था। ईडी का दावा है कि इसी लेनदेन से अर्जित संपत्तियों और धन को वैध दिखाने का प्रयास किया गया, जो धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। मामले में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव के अलावा तेज प्रताप यादव, मीसा भारती, हेमा यादव समेत कई अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं को आरोपी बनाया गया है। एजेंसी का आरोप है कि अपराध से अर्जित संपत्तियों को विभिन्न कंपनियों और वित्तीय लेनदेन के जरिए छिपाया गया। आईआरसीटीसी होटल आवंटन से जुड़े मूल भ्रष्टाचार मामले में अदालत पहले ही लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय कर चुकी है।

## सीसीटीवी ने खोला झपटमारों का राज, महिला की सोने की बाली लूटने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार

**पूर्वी दिल्ली।** एमएस पार्क थाना पुलिस ने दो झपटमारों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान मनीष गोयल और अश्विनी कुमार के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि गत 29 मई को एक महिला ने वह किसी काम से जा रही थी। तभी बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने उनकी करीब चार ग्राम वजनी सोने की बाली झपट ली थी। पीड़िता की शिकायत पर केस दर्ज किया गया। सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाशों की पहचान की गई। दोनों को मानसरोवर पार्क से गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर दुगार्पुरी चौक स्थित एक ह्यकैश फॉर गोल्डह्व दुकान से छीनी गई सोने की बाली बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि बरामद बाली का वजन लगभग चार ग्राम है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित अश्विनी कुमार पर पहले भी झपटमारी और आर्म्स एक्ट से जुड़े पांच आपराधिक मामलों में शामिल रह चुका है।

## दिल्ली में गर्मी का कहर, रिकॉर्ड तोड़ रही बिजली की मांग; बढ़ेगी पावर कट की समस्या

**नई दिल्ली।** पिछले कुछ दिनों में राजधानी में गर्मी बढ़ गई है। राजधानी के अधिकांश स्थानों पर तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। इस कारण बिजली की खपत भी बढ़ने लगी है। पिछले सप्ताह अधिकतम मांग छह हजार से साढ़े छह हजार मेगावाट के आसपास रह रहा था। यह अब बढ़कर साढ़े सात हजार मेगावाट से ऊपर पहुंच गई है। मांग बढ़ने से बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की चिंता बढ़ जाती है। उनके सामने निर्बाध बिजली आपूर्ति की चुनौती होती है। डिस्काम अधिकारियों का कहना है कि गर्मी बढ़ने पर एसी, कूलर आदि का उपयोग बढ़ जाता है। इससे बिजली की मांग बढ़ जाती है। यदि इसी तरह से मौसम रहा तो मांग आठ हजार मेगावाट से ऊपर जा सकती है। उनका दावा है कि मांग के अनुरूप बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद मांग बढ़ने पर घनी आबादी वाले इलाके में बिजली कट लगने की समस्या बढ़ जाती है। अधिकारियों का कहना है कि लोड अधिक होने पर ट्रिपिंग की समस्या होती है, इससे कुछ क्षेत्रों में बिजली कट लगते हैं, लेकिन उसे कम समय में ठीक करने का प्रयास किया जाता है।

## फर्जी आईडी , पुलिस की वर्दी, महंगी घड़ियां और नकली नोट.. ड्यू प्रोफेसर के हत्यारे के घर में खुली अपराध की नई फाइल

**पूर्वी दिल्ली।** डीयू की सहायक प्रोफेसर देबोस्मिता पाल की हत्या करने के लिए 1400 किलोमीटर दूर से अपने परिवार के साथ दिल्ली आया मुख्य आरोपित रामप्रसाद दास एक शातिर ठग है। जांच में सामने आया है कि वह लोगों को अलग-अलग झांसे देकर करीब दो करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है। उधर, प्रोफेसर के स्वजन को जब सीसीटीवी फुटेज दिखाई गई, तो वे आरोपितों को पहचान नहीं सके। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) टूल वाले सीसीटीवी कैमरों ने आरोपितों को बेनकाब कर दिया। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को आरोपित रामप्रसाद दास और पत्नी बनाश्री को बंगाल की बर्धमान कोर्ट में पेश कर उनका ट्रांजिट रिमांड ले लिया। मंगलवार तक आरोपितों को दिल्ली लाया जाएगा। पुलिस के अनुसार, हत्यारोपितों ने मास्क

लगाकर और हत्या के बाद कपड़े बदलकर बचने की कोशिश की, लेकिन एआई कैमरों से नहीं बच सके। आरोपितों ने हत्या से पहले दो बार सहायक प्रोफेसर के घर की रेकी भी की थी। सोसायटी के गेट से मिली तीन जून की फुटेज में आरोपित मास्क लगाए दिखाई दिए थे। पुलिस ने जब यह फुटेज प्रोफेसर की बहन व भाई को दिखाई, तो वे इन्हें नहीं पहचाने। डीसीपी राजीव कुमार ने बताया कि इंस्पेक्टर राजेश, एसआइ अजय और स्पेशल स्टाफ प्रभारी जितेंद्र मलिक व कौशल को फुटेज के विश्लेषण में लगाया गया। एआई टूल वाले कैमरे की मदद से आरोपितों को पहचानकर उनका पूरा रूट तैयार किया गया। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक वे मास्क लगाए थे। कुछ कैमरों में उनका चेहरा दिखाई दिया। आंखें, हाथ व बालों की तस्वीरें एआई टूल पर अपलोड की गईं, जिसने उनका वास्तविक स्केच (चेहरा) तैयार कर दिया। इसके बाद प्रोफेसर के स्वजन ने उन्हें पहचान लिया और पुलिस ने मोबाइल लोकेशन आदि से उन्हें दबोच लिया। ड्यू प्रोफेसर के हत्यारे के घर से क्या-क्या मिला? पश्चिम बंगाल पुलिस के नाम पर बनाए गए कई फर्जी पहचान पत्र और बैज मिले। एक नकली रेलवे टिकट चेकर (टीटीई) का बैज भी बरामद किया गया। नकली नोटों की गड्डियों, जिनमें ऊपर और नीचे असली नोट थे और बीच सादा कागज। 25 बेहद महंगी घड़ियां 100 से अधिक शर्ट आरोपित के मोबाइल से पीड़िता की कार की तस्वीरें भी मिली हैं। झांसा देकर 50 लोगों से ठगे दो करोड़ रुपये पुलिस के अनुसार दसवीं पास रामप्रसाद बंगाल के बर्धमान में लोगों से मोटी रकम उधार लेता था और फिर उसे डकार जाता था। वह करीब 50 लोगों से दो करोड़ रुपये की ठगी कर चुका है।

## दिल्ली सरकार ने फायर सर्विस में किया बड़ा बदलाव, इन सुविधाओं से लैस होंगे दमकल वाहन

**नई दिल्ली।** राजधानी में भीषण गर्मी के बीच आग लगने की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हाल के दिनों में हौजरानी और विवेक विहार समेत कई बड़े अग्निकांडों में लोगों की जान जाने के बाद दमकल विभाग की व्यवस्था और घटनास्थल तक पहुंचने में लगने वाले समय को लेकर सवाल उठे थे। इन चुनौतियों से निपटने के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) अब अपनी सेवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने की तैयारी में है। विभाग जल्द ही ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफॉर्म ऑफ दिल्ली फायर सर्विस शुरू करने जा रहा है। इसके तहत एक मोबाइल एप विकसित किया जाएगा, जिसे आम नागरिक अपने स्मार्टफोन में इंस्टाल कर सकेंगे। आग लगने की सूचना देने के बाद कालर इस एप के माध्यम से दमकल वाहन की लाइव लोकेशन देख सकेगा और यह जान पाएगा कि राहत दल कितनी देर में घटनास्थल तक पहुंचेगा। वाहनों में लगेंगे जीपीएस ट्रैकर और अत्याधुनिक कैमरे योजना के अनुसार, विभाग के सभी दमकल वाहनों में जीपीएस ट्रैकर और अत्याधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की सहायता से कंट्रोल रूम में बैठे अधिकारी घटनास्थल पर चल रहे राहत और बचाव कार्यों की रीयल टाइम निगरानी कर सकेंगे। इससे आपातकालीन स्थिति में बेहतर समन्वय स्थापित होगा और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन भी तुरंत भेजे जा सकेंगे। अधिकारियों के अनुसार, नई तकनीक का सबसे बड़ा लाभ घटनास्थल की सटीक पहचान में मिलेगा। वर्तमान में दमकल विभाग को आग लगने की सूचना मुख्य रूप से दो स्त्रोतों से प्राप्त होती है। पहला, आग में फंसे पीड़ितों से और दूसरा, किसी राहगीर या प्रत्यक्षदर्शी द्वारा। कई बार राहगीरों की ओर से दी गई जानकारी में स्थान का स्पष्ट विवरण नहीं मिल पाता, जिससे दमकल वाहनों को मौके तक पहुंचने में कठिनाई होती है। नई डिजिटल प्रणाली लागू होने के बाद कालर की लोकेशन सीधे सिस्टम से जुड़ जाएगी और दमकल वाहन उसी के आधार पर घटनास्थल तक पहुंच

## दिल्ली में ई-बस डिपो तैयार करने की रफ्तार सुस्त, 3300 नई बसों की पार्किंग पर खड़ा हुआ बड़ा सवाल

**नई दिल्ली।** इलेक्ट्रिक बसों के लिए डिपो तैयार करने की परिवहन विभाग की चाल धीमी है। इस साल के अंत तक 50 डिपो भी तैयार नहीं हो सकेंगे। ये पे डिपो हैं जिन्हें सीएनजी से इलेक्ट्रिक में बदला जाना है। सरकार की इस साल अंत तक 3300 नई इलेक्ट्रिक बसें लाने की तैयारी है। बड़ा सवाल यह है कि डिपो तैयार नहीं होंगे तो बसें कहां खड़ी होंगी और कैसे इन बसों का संचालन हो सकेगा। उधर सरकार का दावा है बसें आने तक जरूरत के लिहाज से सभी डिपो तैयार कर लिए जाएंगे। दिल्ली सरकार

इलेक्ट्रिक बसों के बढ़ते बेड़े को देखते हुए इस साल के अंत तक लगभग 50 बस डिपो को पूरी तरह से इलेक्ट्रिक करने की योजना पर काम कर रही है। इन डिपो के विद्युतीकरण, नागरिक और विद्युत बुनियादी ढांचे का काम वर्तमान में चल रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य विशेषकर केंद्र सरकार की 'पीएम ई-ड्राइव' योजना के तहत खरीदी जा रही ई-बसों के लिए डिपो की तैयारी सुनिश्चित करना है। दिल्ली वर्तमान में देश के सबसे बड़े इलेक्ट्रिक बस नेटवर्कों में से एक का संचालन करती है, जिसमें 4,500 से अधिक ई-बसें शामिल हैं। डीटीसी के अनुसार इस वित्तीय वर्ष के अंत यानी 31 मार्च 2027 तक पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत 2800 बसें और 500 बसें सात मीटर वाली आनी हैं। यानी 31 मार्च तक 3300 बसें आनी हैं। इन डिपो के विद्युतीकरण में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करना, बिजली आपूर्ति प्रणालियों को अपग्रेड करना, ट्रांसफार्मर, चार्जिंग बे और बड़े स्तर पर ई-बस बेड़े को संचालित करने के लिए पार्किंग सुविधाएं बनाना शामिल है।

## पकड़ा गया मंत्रालय के ट्रेनिंग अफसर का झूठ, फर्जी एक्सपीरियंस लेटर से हासिल की नौकरी; कोर्ट में खुली पोल

**नई दिल्ली।** राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने के मामले में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के अधीन कार्यरत प्रशिक्षण अधिकारी गौरव मलिक को दोषी करार दिया। अदालत ने कहा कि आरोपित ने जिस कंपनी में वर्ष 1993 से कार्य करने का दावा किया था, उस कंपनी का गठन ही वर्ष 1995 में हुआ था। ऐसे में अनुभव प्रमाणपत्र में किया गया दावा सही नहीं पाया गया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मयंक गोयल ने अपने फैसले में गौरव मलिक को धोखाधड़ी, जाली दस्तावेज के इस्तेमाल और साक्ष्य मिटाने से संबंधित धाराओं में दोषी ठहराया। हालांकि, अदालत ने जालसाजी की धारा के आरोप से उसे बरी कर दिया। 1995 में बनी कंपनी, 1993 का सर्टिफिकेट अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपित ने प्रशिक्षण अधिकारी (व्यावसायिक सेवाएं) पद पर

नियुक्ति के लिए आवेदन करते समय कृष्णा इंजीनियरिंग कंपनी, भोपाल का अनुभव प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया था। प्रमाणपत्र में दशार्या गया था कि वह 10 मार्च 1993 से कंपनी में सेल्स मैनेजर के रूप में कार्यरत था। इसी अनुभव के आधार पर उसका चयन हुआ और उसे सरकारी नौकरी मिल गई। यूपीएससी के तत्कालीन उप सचिव ने गवाही में बताया कि उम्मीदवारों के आवेदन की छंटनी के बाद उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था और उसी प्रक्रिया में गौरव मलिक का चयन हुआ। मामले की सुनवाई के दौरान कृष्णा इंजीनियरिंग कंपनी के साझेदार राकेश अग्रवाल ने अदालत में गवाही देते हुए कहा कि गौरव मलिक कभी उनकी कंपनी का कर्मचारी नहीं रहा। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी की स्थापना वर्ष 1995 में हुई थी। अदालत ने माना कि जब कंपनी का अस्तित्व ही वर्ष 1995 से पहले नहीं था तो वर्ष 1993 से उसमें नौकरी करने का दावा विश्वसनीय नहीं माना जा सकता।

मूल दस्तावेज भी पेश नहीं किया गया जांच के दौरान यह भी सामने आया कि नियुक्ति के लिए इस्तेमाल किया गया मूल अनुभव प्रमाणपत्र आरोपित के कब्जे में था। जांच एजेंसी द्वारा कई अवसर दिए जाने के बावजूद वह मूल दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

# ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं और शानदार कमाई करना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल में बताए गई कठिन डिग्रियों में से किसी एक को चुन सकते हैं। हालांकि, इन डिग्रियों को हासिल करना आसान नहीं होता, लेकिन मेहनत और लगन से इन्हें पूरा करके आप अपने भविष्य को सुरक्षित और शानदार बना सकते हैं। अगर आप करियर में ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अच्छी कमाई का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए सही डिग्री चुनना बेहद जरूरी है। दुनिया में कई डिग्रियां ऐसी हैं, जिन्हें पूरा करना आसान नहीं होता है, लेकिन एक बार हासिल करने के बाद इनका स्कोप और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनाई के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बनी रहती है। तो आइए दुनिया की 10 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें पाकर आप लाखों की कमाई कर सकते हैं।

## बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटर्नशिप और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग करनी होती है। लेकिन इस फील्ड में करियर बना लिया, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

## इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ब्रांच जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हों। इसमें थ्योरी, प्रैक्टिकल, प्रोजेक्ट्स और इंटर्नशिप का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी चैलेंजिंग बना देता है।

## चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्सों में से एक है। इसमें कई स्तर के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉरपोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

## एस्ट्रोनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमानन विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नासा, इसरो जैसी एजेंसियों में काम करने का सपना देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।

# लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने आपके लिए मनमाफिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। दरअसल कानूनी पेचिदगियों और समाज के विस्तार के चलते कानून के जानकार प्रोफेशनल्स की जरूरत हर जगह बढ़ गई है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी प्रक्रियाओं को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनाने वालों का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही हर दिन किसी नई खोज या तकनीकी विकास के चलते पुराने और प्रचलित कानूनों में संशोधन करने की जरूरत होती है। और इस लिहाज से भी कानून के जानकारों की मांग में में इजाफा हुआ है।

## लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ से सम्बंधित 2 पाठ्यक्रम होते हैं पहला, 10+2 के बाद पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रम और ग्रेजुएशन के बाद तीन वर्षीय लॉ पाठ्यक्रम। पांच वर्षीय इंटिग्रेटेड लॉ पाठ्यक्रमों में भी अब पाँच प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं – आर्ट्स के छात्रों के लिए बीए एलएलबी, साइंस के छात्रों के लिए बीएससी एलएलबी, कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉम एलएलबी, कंप्यूटर साइंस के छात्रों के लिए बीसीए एलएलबी और मैनेजमेंट के छात्रों के लिए बीबीए एलएलबी। उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको क्लैट यानि कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से गुजरना होगा, जो वर्ष में एक बार होता है। आपकी रैंकिंग के आधार पर आपको कॉलेज अलॉट किए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। ग्रेजुएशन के बाद के लॉ पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टेस्ट संचालित करते हैं।

## इस तरह बनें लायर

वह समय ख़त्म हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर काला कोट पहन कर सीधे वकालत में सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित आल इंडिया बार एग्जामिनेशन यानि एआईबीई देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जाएंगी। इसके बाद आपका रजिस्ट्रेशन बार काउन्सिल ऑफ़ इंडिया में हो जायेगा और तब आप वकील के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगीं।

## एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका ध्येय केवल एक वकील की तरह भारत के किसी भी न्यायलय में वकालत को अपना करियर बनाना है, तो इसमें एलएलएम (लॉ में पोस्ट ग्रैजुएट) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपकी एलएलबी की डिग्री ही पर्याप्त है। एलएलएम और पीएचडी मुख्य रूप से वे महिलाएं करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एकाडेमिक्स में जाना चाहती हैं और आगे चलकर किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विशेष में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं, तो पीजी और पीजी डिप्लोमा स्तर पर स्पेशलाइजेशन के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

## एनवायरमेंटल लॉयर

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एन्वायरमेंटल लॉयर बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके जरिए आप प्राकृतिक संपदा के नष्ट होने से जुड़ी चीजों को बचाने की बात कह सकती हैं। इसके तहत आप पब्लिक इंट्रस्ट लिटिगेशन भी डाल सकती हैं। इसके अलावा एन्वायरमेंटल लॉयर्स की जरूरत एनजीओज में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर आवाज उठाते हैं।

## साइबर लॉयर

टेक्निकल एडवांसमेंट के दौर में साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ रहे हैं और इन पर काबू पाने के लिए साइबर लॉयर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर फर्जी ई-मेल भेजना, सोशल अकाउंट हैक करना, कंपनियों के साथ फ्रॉड, खातों से फर्जी तरीके से पैसे निकालना, एसएमएस हैकिंग, मोबाइल क्लोनिंग जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिक्योरिटी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर एंड डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

## पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉयर

कई बार लोग अवैध रूप से किसी अन्य व्यक्ति की खोज को अपना नाम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देता है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई थर्ड पार्टी मूल प्रॉडक्ट को बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर रॉयल्टी शुल्क देना पड़ता है। बौद्धिक संपदा यानी Intellectual Property बिजनेस के उभरते हुए क्षेत्रों में से एक है और इसमें यंग प्रोफेशनल्स की अच्छी खासी मांग है।

## लेबर लॉयर

कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अक्सर कंपनियों में काम कर रहे इंप्लॉई अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अदालत में पहुंच जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इजाफा होने की वजह से इसमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी संभावनाएं हो सकती हैं।

## इंटरनेशनल लॉयर

अगर आपकी अंग्रेजी अच्छी है और आपकी अंतरराष्ट्रीय घटनाओं में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉयर बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके तहत विभिन्न राष्ट्रों के राष्ट्रीय हितों से जुड़ी समस्याओं का कानूनी तरीके से हल निकाला जाता है।

## कॉरपोरेट लॉयर

देश में कंपनियों के बढ़ते प्रसार के बीच आजकल कॉरपोरेट लॉ का स्कोप भी काफी अच्छा है। इसके तहत कंपनियां ऐसे प्रोफेशनल्स अपने यहां रखती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में सलाह दे सकें। कॉरपोरेट लॉयर्स के तौर पर अच्छा तजुर्बा हासिल होने पर अच्छा पे-पैकेज भी मिलता है।

## ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमोरी
- हाजिरजवाब
- तार्किक और चीजों का विश्लेषण करने में निपुण
- धैर्यवान होने का गुण
- समस्याओं के अनूठे हल निकालने में सक्षम
- कानूनी पहलुओं की अच्छी जानकारी
- समर्पण और कड़ी मेहनत

यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके हाथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते , तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

# बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

**बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फील्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करेने के बाद, आगे क्या करें सोच कर आप भी परेशान चल रहे हैं, तो चलिए हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।**

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करें, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अक्सर स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल को लेकर कंफ्यूज हो जाते हैं, पर आपको इतना सोचने की जरूरत अब तो बिल्कुल भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्राइवेट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब्स शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने स्किल्स, इंटरेस्ट और करियर गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी क्रम में आइए हम आपकी दुविधा को दूर करते हैं। दरअसल, इस आर्टिकल में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शंस के बारे में विस्तार से बताएंगे, जिससे आप अपने फ्यूचर के लिए सही फैसला ले सकें और आगे जाकर आप एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शंस –

## MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी स्किल्स को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। रही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शंस की तो आप इससे सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी कंसल्टेंट आदि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रू 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

## MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो स्ब्क्रआपके लिए सही रहेगा। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरुआत में कम से कम रू 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

## डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस फील्ड में जॉब्स की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एआई इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रू 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

## डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको क्रिएटिविटी और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कंपनियां अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटर्स को हायर कर रही हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्सपर्ट, कंटेंट मार्केटर की पोस्ट मिल सकती है। साथ ही, रू 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

# इमेज से ज्यादा कहानी मायने रखती है

**अभिनेता अली फजल ने अपनी पत्नी ऋचा चड्ढा के साथ अपनी क्रिएटिव पार्टनरशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि दोनों कभी भी किसी खास इमेज में फिट होने की कोशिश नहीं करते। उनका फोकस हमेशा अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों पर रहता है।**

अली फजल और ऋचा चड्ढा दोनों ही अपनी अलग-अलग फिल्मों में चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। अली फजल ने बताया, 'ऋचा और मैं हमेशा से ऐसे किरदारों की तरफ आकर्षित होते हैं जो हमें चुनौती दे और दर्शकों के दिल में जगह बना सकें, उन्हें पसंद आए। हमारे लिए ग्लैमरस इमेज बनाए रखना कभी प्राथमिकता नहीं रहा।'

उन्होंने इसे अपनी खुशकिस्मती बताया कि उन्हें ऐसे रोल मिले जो स्क्रीन से बाहर निकलकर पॉप कल्चर का हिस्सा बन गए। अली फजल के अनुसार, एक अभिनेता के लिए यह सबसे खूबसूरत एहसास होता है कि दर्शक उनकी बनाई हुई चीज से इतना जुड़ जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि ऋचा की 'फुकरे' वाली भोली पंजाबन और उनकी 'मिर्जापुर' वाली गुड्डू पंडित की भूमिका आज भी लोग याद करते हैं। ये किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उनके डायलॉग दोहराते हैं और बार-बार फिल्म देखते हैं। अली फजल ने बताया कि किरदारों के चुनाव को लेकर उनमें अच्छी समझ है। दोनों ही इस बात का सम्मान करते हैं कि एक्टिंग का पेशा अनिश्चितताओं से भरा है। कभी रिस्क लेना पड़ता है, तो कभी सब्र रखना पड़ता है। लेकिन सबसे जरूरी बात है कहानी कहने में ईमानदारी। उन्होंने बताया, 'हमारी कोशिश हमेशा ऐसी कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनने की रहती है जो लोगों के यादों में लंबे समय तक रहें। सिर्फ सफलता नहीं, बल्कि प्रासंगिकता बनाए रखना हमारा लक्ष्य है।' अली फजल जल्द ही 'मिर्जापुर- द मूवी' में नजर आने वाले हैं, जो 4 सितंबर को रिलीज होगी।

# समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेटफ्लिक्स पर अपनी हालिया रिलीज ड्रामा क्राइम कॉमेडी फिल्म 'मां बहन' को लेकर उत्साहित हैं। प्रमोशन में व्यस्त अभिनेत्री ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया है। माधुरी ने कहा कि प्यार और रिश्तों के मामलों में समाज आज भी दोहरे मानदंड अपनाता है। माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, 'यह एक पितृसत्तात्मक समाज है। शुरू से ही ऐसा होता आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे 'कैसानोवा' या रोमियो कहा जाता है। लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।' अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में दिखाए गए किरदार कमियों से भरे, उलझे हुए और बिल्कुल असल जिंदगी जैसे हैं। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। उन्होंने जोर दिया कि हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है। माधुरी ने बताया, 'इस फिल्म में हमने समाज द्वारा बनाए गए हर नियम को तोड़ा है और हमें इसमें मजा भी आया। किरदार बहुत उलझे हुए हैं, लेकिन बेहद असली हैं। आप खुद से जुड़ाव महसूस करेंगे।' 'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। इसमें माधुरी दीक्षित रेखा नाम की मां का किरदार निभा रही हैं। कहानी रेखा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले से कई मुश्किलों से जूझ रही होती है। अचानक उसके किचन में एक लाश मिल जाती है। अपनी दो बेटियों जिम्मेदार जया और बेबाक सुष्मा के साथ वह इस मुसीबत से निपटने के लिए तेजी से सोचती है, झूठ बोलती है और पड़ोसियों से सच छुपाती है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म फिलहाल नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

# विशाल जेठवा ने 'शक्ति शालिनी' के लिए बदला लुक, बढ़ाया वजन

विशाल जेठवा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'शक्ति शालिनी' के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। फिल्म में अपने किरदार की जरूरत के मुताबिक वह पिछले कई महीनों से सख्त वर्कआउट, नियंत्रित डाइट और अनुशासित लाइफस्टाइल फॉलो कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विशाल इस भूमिका के लिए खास - तौर पर मसल्स बढ़ाने और खुद को बल्क-अप करने में जुटे हैं। विशाल ने अपनी फिटनेस जर्नी पर बात करते हुए कहा... 'पीक फिटनेस हासिल करना कभी आसान नहीं होता। लोग सिर्फ शारीरिक बदलाव देखते हैं, लेकिन इसके पीछे भावनात्मक और मानसिक अनुशासन भी उतना ही जरूरी होता है। मैं 'नो पेन, नो गेन' में विश्वास करता हूं, क्योंकि बदलाव तभी आता है जब आप मुश्किल दिनों में भी खुद को लगातार आगे बढ़ाते हैं। पूरी प्रक्रिया मेरे लिए सीखने का अनुभव रही है।' बता दें कि विशाल को हाल ही में 'होमबाउंड' के लिए खूब सराहना मिली थी।

# शिल्पा शिंदे ने पोस्ट की क्रिप्टिक वीडियो, उत्पीड़न विवाद के बीच ट्रोल्स को दिया जवाब

भारती सिंह के पॉडकास्ट में यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाने की बात को स्वीकार करने के बाद टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे सुर्खियों में आ गई हैं। इस मामले को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स और सेलेब्स उनको खरी-खोटी सुना रहे हैं। यह सब देखकर शिल्पा चुप नहीं बैठ रही हैं, उन्होंने ट्रोलिंग करने वालों को क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए अपना जवाब दिया है। शिल्पा ने जलने वाले लोगों का जिक्र किया शनिवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे लिखती हैं, 'जलने वालों जलते रहो, अपना खून किसी जरूरतमंद को मत दो, जला जला के खत्म कर दो।' इसके अलावा एक और फनी वीडियो पोस्ट वह शेयर करती हैं। इसमें एक रील उन्होंने बनाई है। इसमें वह एक फनी डायलॉग को बोल रही हैं, 'साफ साफ बोलने के चक्कर में, जिंदगी से लोग ही साफ हो गए।'

## क्या था पूरा मामला?

टीवी एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने हाल ही में एक चौंकाने वाला खुलासा किया था। उन्होंने भारती सिंह के पॉडकास्ट में बताया कि सीरियल 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ झूठा यौन उत्पीड़न का केस दर्ज कराया था। लेकिन बाद में मामला सुलझ गया था। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

# साथ फिल्म करेंगे टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल

'बागी' फ्रैंचाइज की फिल्मों के जरिए टाइगर श्रॉफ ने दर्शकों के बीच अपने लिए एक खास जगह बनाई है। वहीं 'कमांडो' फेम एक्टर विद्युत जामवाल भी अपने जबरदस्त एक्शन के लिए फिल्मों में जाने जाते हैं। अब यह दोनों ही एक साथ फैंस को बड़े पर्दे पर नजर आ सकते हैं। जानिए, यह दोनों किस फिल्म प्रोजेक्ट का हिस्सा बन रहे हैं।

टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ शेयर की। इस पोस्ट में एआई इमेज से पोस्टर बनाया गया था, जिसमें दोनों एक्टर्स नजर आ रहे हैं। पोस्टर पर लिखा, 'दो लीजेंड, एक एपिक शोडाउन'। साथ ही टाइगर श्रॉफ वर्सेस विद्युत भी लिखा है। पोस्टर में दोनों एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। इस प्रोजेक्ट या फिल्म को टी-सीरीज पेश करेगा, इस बात का जिक्र भी पोस्टर पर किया गया है। इससे ज्यादा कोई जानकारी पोस्टर पर साझा नहीं की गई। फिल्म के नाम का भी जिक्र नहीं है। दोनों एक्टर्स के पोस्टर शेयर करने के बाद फैंस के बीच हलचल बढ़ गई। बता दें कि टाइगर श्रॉफ और विद्युत जामवाल को टी-सीरीज के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। ऐसा लगता है कि दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा करने के लिए दोनों वहां पहुंचे थे।

टाइगर और विद्युत अपने करियर फ्रंट पर और क्या रहे हैं?

टाइगर श्रॉफ के करियर फ्रंट की बात करें तो पिछले साल वह फिल्म 'बागी 4' में दिखाई दिए थे। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छा रेस्पॉन्स मिला था। वहीं विद्युत एक हॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' में जल्द ही नजर आएंगे, इसमें भी वह जबरदस्त एक्शन करते हुए नजर आएंगे।

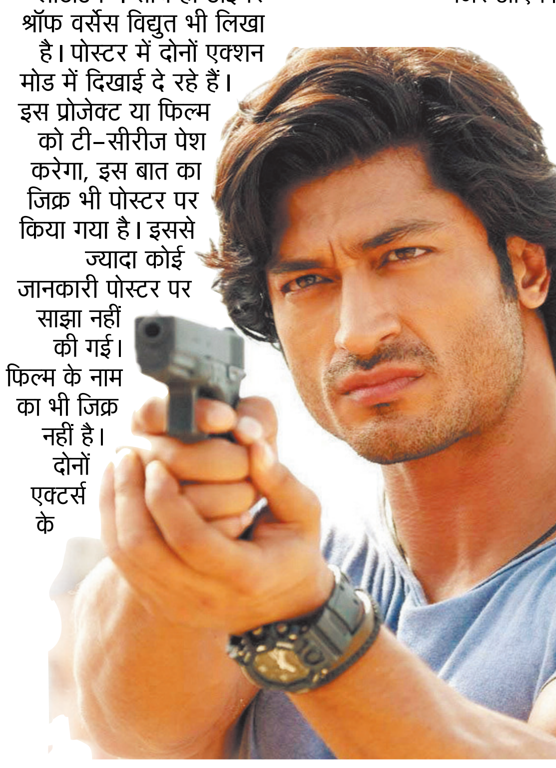

# हल्की फुल्की फिल्में करना चाहती हैं रसिका दुग्गल

**रसिका दुग्गल बॉलीवुड की उन गिनी चुनी एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने पर्दे पर ग्लैमर से ज्यादा गंभीर, संवेदनशील, इंटेंस वाली फिल्मों और किरदारों को तरजीह दी है। साल 2007 में 'अनवर' से डेब्यू करने वाली रसिका की फिल्मोग्राफी में आपको ऐसी कई फिल्में मिल जाती हैं, जो लीक से हटकर, अंडररेटेड, लेकिन क्लासिक हैं। फिर चाहे 'किस्सा' के नीली का किरदार हो या 'मंटो' में बेगम साफिया का।**

जब ओटीटी का दौर आया, तो वहां भी 'मिर्जापुर' से लेकर 'देल्ही क्राइम', 'आउट ऑफ लव' जैसी वेब सीरीज ने रसिका नाम एक समर्थ अभिनेत्री के रूप में दर्ज किया। 41 साल की रसिका हाल ही सैफ अली खान के साथ फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आईं, जहां वह कर्म और धर्म के बीच अपना कर्तव्य निभाने की जद्दोजहद में जूझ रहे जीवनसाथी का संबल बनती हैं। खास बातचीत में जब रसिका ने यह जानने की कोशिश की गई कि क्या ऐसे गंभीर विषय ही उन्हें लुभाते हैं या कभी हल्के-फुल्के, कमर्शल प्रॉजेक्ट करने का भी मन होता है? तो उन्होंने तपाक से जवाब दिया, 'मैं खुद कुछ हल्का-फुल्का या कॉमेडी कॉन्टेंट तलाश रही हूं। लेकिन साड़ी लहराने वाले रोल मुझे ऑफर ही नहीं होते।'

जमशेदपुर, झारखंड में पैदा हुई रसिका दुग्गल सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि होनहार स्टूडेंट भी रही हैं। उन्होंने 2004 में दिल्ली के प्रतिष्ठित लेडी श्री राम कॉलेज फॉर वुमन से गणित में ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। वह सोशल कम्युनिकेशंस मीडिया में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा और एक्टिंग में पीजी डिप्लोमा कर चुकी हैं। 'नो स्मोकिंग', 'हाइजैक' और 'तहान' जैसी फिल्मों से छाप छोड़ चुकीं रसिका कहती हैं, 'मुझे हल्की फुल्की फिल्में भी चलेंगी। कमर्शियल न हो भी हो तो ठीक है।'

## मैं भी चाहती हूं कि लोगों की इस धारणा को तोड़ सकूं

बकौल रसिका दुग्गल, 'मैं भी चाहती हूं कि ये जो धारणा है कि मैं किसी चीज में काम कर रही हूं तो वो इंटेंस ही होगी, उसे तोड़ तोड़ सकूं। आप सही हैं कि काफी बार मुझे ऐसे ही रोल मिलते हैं। कुछ हल्के फुल्के भी मिले हैं जैसे 'लूटकेस' या 'ह्यूमरसली योर्स', लेकिन मुझे और ऐसे रोल करने को मिले तो मुझे बहुत खुशी होगी। असल में मैं खुद ऐसा कुछ ढूंढ रही हूं। जैसे अगर कॉमेडी में कुछ करने को मिले तो बहुत मजेदार होगा। क्या रसिका दुग्गल कभी पर्दे पर रूमानी अंदाज में पहाड़ों पर साड़ी का पल्लू लहराने वाली हीरोइन की तरह नजर आएंगी? इस पर वह कहती हैं, 'क्यों नहीं, बतौर एक्टर हम किसी चीज के लिए मना नहीं करते। हम सब अलग-अलग तरह का ही काम करना चाहते हैं, तो अगर ऐसा भी काम मिले तो कोई परहेज नहीं है। मैंने तो कभी ना नहीं कहा। मुझे कभी ऐसे रोल के ऑफर ही नहीं आए।'

## लगातार अच्छा काम मिलना भी बड़ी बात

रसिका बॉलीवुड में एक इमेज में बांध दिए जाने के बाबत आगे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि उस इंटेंस-सीरियस वाले लेबल के अंदर भी हमें काफी कुछ करने को मिलता है। ऐसा नहीं है कि सारे इंटेंस रोल एक जैसे होते हैं। उसमें भी काफी विविधता होती है। वह भी बहुत अच्छी बात है। ऐसा सबकी लाइफ में नहीं होता कि आपको लगातार काम मिलता रहे और अच्छी स्क्रिप्ट मिलती रहे। साथ ही हर एक्टर चाहता है कि आपको एक अलग पहलू भी लोगों को दिखाने का मौका मिले लेकिन वो ऑफर मिलने की बात है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।